website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 303 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

हरियाणा में सीनियर आईपीएस अफसर ने किया सुसाइड

चंडीगढ़ आवास में खुद को मारी गोली, सुनारिया जेल में थे तैनात

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के सीनियर आईपीएस ऑफीसर वाई पूरन कुमार ने सुसाइड कर लिया। उन्होंने चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित अपने सरकारी आवास (कोठी नंबर 116) पर खुद को गोली मार ली। चंडीगढ़ पुलिस मौके पर पहुंच गई है। अभी यह सामने नहीं आया है कि उन्होंने सुसाइड क्यों किया है। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। वाई पूरन कुमार डीजीपी रैंक के अधिकारी थे। 29 सितंबर को ही उनकी ट्रांसफर रोहतक की सुनारिया जेल में हुई थी। इसी जेल सिरसा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम साध्वियों से यौन शोषण मामले में सजा काट रहा है। वाई पूरन कुमार की पत्नी अमन पी. कुमार भी आईएएस ऑफीसर हैं। वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और अन्य अधिकारियों के साथ 5 अक्टूबर को जापान दौरे पर गई थीं। वह कल शाम को भारत लौटेंगी। करीब 1 साल पहले हरियाणा में 4 बैच (1991, 1996, 1997 और 2005) के अफसरों के प्रमोशन पर आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार ने सवाल उठाए थे। उन्होंने इसे लेकर मुख्यमंत्री नायब सैनी को लेटर लिखा था। इसमें उन्होंने प्रमोशन के अवैध होने का कारण वित्त विभाग की महज सहमति से गाइडलाइंस को ओवररूल किया जाना बताया।

24,634 करोड़ के 4 नए रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

● केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला, पीएम मोदी थे मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कुल 24,634 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि बैठक में 4 नए रेलवे प्रोजेक्ट्स मंजूर किए गए हैं। इसमें मध्य प्रदेश के इटारसी- भोपाल-बीना रूट पर 237 किलोमीटर लंबी चौथी लाइन और गुजरात और मध्य प्रदेश को जोड़ने वाले वडोदरा- रतलाम रूट पर 259 किलोमीटर लंबी तीसरी और चौथी लाइन शामिल है। वैष्णव ने बताया, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के 18 जिलों को कवर करेंगी। भारत के सात रेलवे कॉरिडोर कुल रेलवे यातायात का 41 फीसदी संभालते हैं, और इन परियोजनाओं से इन कॉरिडोर की क्षमता और कनेक्टिविटी मजबूत होगी। वैष्णव ने कहा कि न प्रोजेक्ट्स से न केवल रेल संचालन की क्षमता बढ़ेगी बल्कि भीड़ कम होगी, समय की बचत होगी और रेलवे सेवाओं की विश्वसनीयता में सुधार होगा। उन्होंने कहा, हमने तय किया है कि इन कॉरिडोर में कम से कम चार लाइनें बनेंगी और जहां संभव होगा।

जो भी किया, मुझे उसका कोई अफसोस नहीं

सीजेआई पर जूता फेंकने वाले वकील ने रखा अपना पक्ष, कहा-डर भी नहीं है

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर कुमार ने अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा- सीजेआई के भगवान विष्णु पर दिए बयान से मैं आहत हूं। उनके ऐक्शन (टिप्पणी) पर ये मेरा रिएक्शन था।

मैं नशे में नहीं था। जो हुआ, मुझे उसका अफसोस नहीं, किसी का डर भी नहीं है। उन्होंने कहा- यही चीफ जस्टिस बहुत सारे धर्मों के खिलाफ, दूसरे समुदाय के लोगों के खिलाफ केस आता है तो बड़े-बड़े स्टेप लेते हैं। उदाहरण के लिए- हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर विशेष समुदाय का कब्जा है।

क्रेजी मेडिसिन, भूल भुलैया...नॉर्थ-ईस्ट है टारगेट

इंफाल (एजेंसी)। नॉर्थ ईस्ट राज्यों में सबसे संवेदनशील राज्य मणिपुर है। यह वह राज्य है जहां अशांति है। यह उथल-पुथल बीते लगभग दो वर्षों से है। यहां मैतेई बनाम कुकी का मुद्दा हिंसक हुआ और दो वर्गों की लड़ाई ने पूरे राज्य को चपेट में ले लिया। यहां कई लोगों की मौत हुई। ऐसे तमाम वीडियो सामने आए, जिसमें युवाओं ने पथराव, आगजनी और हिंसक वारदातें कीं। मणिपुर की यंग जेनेरेशन अचानक इतनी हिंसक कैसे हो गई। इस मामले में बड़ी साजिश की बू आ रही है। नॉर्थ ईस्ट में एक ड्रग्स का कारोबार खूब फल फूल रहा है। पुलिस और सेना इस ड्रग्स की खेप आए दिन जब्त कर रही है लेकिन यह सिलसिला नहीं थम रहा है। सूत्रों की मानें तो यही वह ड्रग है, जो युवाओं को हिंसा के लिए उकसा रही है। यह ड्रग्स बहुत खतरनाक है। मणिपुर के इंफाल जिले में सोमवार को दो संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए संदिग्ध तस्करों के पास से दो किलोग्राम वर्ल्ड इज योर्स' नाम की ड्रग्स जब्त की गई। इसे डब्ल्यूवाई या याबा नाम से भी जानते हैं। जिन दो ड्रग्स तस्करों को पकड़ा, उनके नाम मोहम्मद इथम खान और राजू खान हैं।

चिराग, मांझी और कुशवाहा की ज्यादा सीटों पर लड़ने की डिमांड से उलझा पेंच

बिहार: एनडीए के भीतर छोटे दलों की बड़ी मांग, उलझन में भाजपा-जदयू | अगले दो तीन दिन में सीट बंटवारे का निकल सकता है समाधान

⏭ नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव में ज्यादा सीटों की मांग रखते हुए चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा ने भाजपा और जदयू की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालांकि एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर किसी भी तरह के मतभेद से भाजपा ने साफ इंकार किया है। बावजूद इसके माना जा रहा है कि प्रेशर पॉलिटिक्स के तहत चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा ने ज्यादा सीटों की डिमांड रख अपना दांव चला है। अब देखना ये है कि इन तीनों को भाजपा और जदयू कितनी सीटों पर राजी करते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, सीट बंटवारे की घोषणा पटना में ही होगी। उम्मीद है कि इस एक-दो दिन में एनडीए गठबंधन में कौन कितने सीटों पर और कहां से लड़ेगा इसका फैसला कर लिया जाएगा। हम पार्टी के जीतन मांझी 15 सीट मांग रहे हैं, चिराग पासवान 40 से 45 सीट मांग रहे हैं जबकि बीजेपी 20 सीट ही देने को तैयार है। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी 20-22 सीट मांग रही है। भाजपा-जेडीयू 103-103 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा केंद्रीय मंत्री ने गिरिराज सिंह ने बुधवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर एनडीए सहयोगियों के बीच किसी भी तरह का मतभेद से नहीं है, बातचीत चल रही है और जल्द ही अंतिम फॉर्मूला तय कर लिया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार एनडीए के सीएम चेहरा हैं।

लोजपा के अध्यक्ष चिराग पासवान ने एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर उनकी नाराजगी पर बुधवार को कहा कि न पद की चाह है, न सीट की नाराजगी। मेरी कोई पद या सीट की मांग नहीं है। चर्चा अच्छी चल रही है और समय आने पर सही निर्णय होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एनडीए के साथ तालमेल को प्राथमिकता दी जाएगी।

उधर उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने भाजपा को लगभग 20-22 सीटों की लिस्ट सौंप दी है। इन्हीं सीटों में कुशवाहा चुनाव लड़ना चाहते हैं। जिन सीटों की लिस्ट सौंपी गई है, उनमें दिनारा, मधुबनी, महुआ, उजियारपुर, कुर्था सासाराम प्रमुख हैं, इसके अलावा सुल्तानगंज, गोह, बाजपट्टी, शेखपुरा समेत करीब 20-22 सीट वो चाहते हैं। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी ने ने भी अपनी चाहत बता दी है। उन्होंने राष्ट्रकवि दिनकर की कविता के जरिए अपनी डिमांड रखी है। उन्होंने ने बुधवार को संकेत दिया कि भले ही उनकी पार्टी चाहती थी कि बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से आधी सीटों पर चुनाव लड़े, लेकिन एनडीए सहयोगियों से टकराव से बचने के लिए वह 15 सीटों पर समझौता करने को तैयार हैं।

ज्ञात रहे कि बिहार की कुल 243 सीटों पर दो चरणों में वोटिंग होगी। पहले चरण में 6 नवंबर को 121 सीटों पर मतदान होगा।

दूसरे चरण की वोटिंग 11 नवंबर को होगी। इस दिन 122 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। नतीजों की घोषणा 14 नवंबर को होगी। इस बार के चुनाव में 7 करोड़ 42 लाख वोटर हैं। इनमें 3 करोड़ 92 लाख पुरुष जबकि 3 करोड़ 49 लाख महिला वोटर्स हैं।

लोकजनशक्ति पार्टी के सांसद राजेश वर्मा ने बुधवार को साफ कहा कि हम 43 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं, यह हमारा अधिकार भी है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो हमें 2020 के विधानसभा चुनाव की तरह अकेले लड़ने में कोई दिक्कत नहीं है।

हर दिन 4 चुनावी सभा करेंगे सीएम नीतीश कुमार पीएम मोदी हर तीसरे दिन सभा करेंगे

इस बार पहले चरण में सबसे अधिक चुनावी सभा भजपा के दिग्गज नेताओं की होगी। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की 25-25 चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 10 से अधिक चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। खास बात यह है कि पीएम मोदी की चुनावी सभा में सीएम नीतीश कुमार भी अपना संबोधन देंगे। पीएम मोदी की हर तीन में एक सभा उस क्षेत्र में होगी प्रधानमंत्री की सभाओं में मंच पर एनडीए के उम्मीदवारों को भी जगह मिलेगी। जनता दल यूनाईटेड की ओर से सीएम नीतीश कुमार 10 अक्टूबर से अपने चुनावी अभियान पर निकलेंगे। इस दौरान वह हर दिन चार चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। रोड शो भी कर सकते हैं।

मैं नाराज नहीं हूं सिर्फ एक ही मांग: चिराग

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बड़ा बयान दिया है। चिराग ने कहा कि सीट शेयरिंग पर चर्चा जारी है और जैसे ही बात पूरी हो जाएगी, सब कुछ सार्वजनिक कर दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि न तो वे किसी पद को लेकर नाराज हैं और न ही किसी सीट को लेकर कोई असंतोष है। मैं सिर्फ एक ही मांग करता हूं- बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट।

सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला भी जल्द तय हो जाएगा: गिरिराज

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही इस बार भी चुनाव लड़ा जा रहा है। सीट बंटवारे का फॉर्मूला भी जल्द तय हो जाएगा। उन्होंने चिराग पासवान की नाराजगी की बात पर कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। वेनाराज नहीं हैं। एनडीए में सब कुछ सामान्य है।

तेजस्वी के पास चरवाहा विद्यालय का विजन राहुल की पहचान क्या?

हमारे यहां सब कुछ ठीक है, नेता तय है नीति तय है नियत साफ है।विजन तो है, चरवाहा विद्यालय का विजन है। तेजस्वी की अपनी उपलब्धि क्या है? अगर यह लालू यादव के बेटे नहीं होते और राहुल गांधी गांधी परिवार के नहीं होते तो इनको मोहल्ला के लोग भी नहीं पहचानते।

ये 5 केंद्रीय मंत्री लड़ सकते हैं विधानसभा चुनाव

अटकलें हैं कि मध्य प्रदेश और राजस्थान की तर्ज पर इस बार बिहार में भी कई केंद्रीय मंत्री और सांसद विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। चिराग, गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय, राजभूषण चौधरी और सतीश चंद्र दुबे जैसे बड़े नाम इस सूची में शामिल हो सकते हैं। यह भाजपा का बड़ा दांव होगा। भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान में यह सूत्र अपनाया था।

सीट-बंटवारे को लेकर आरजेडी और कांग्रेस में किचकिच

बिहार में सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में सीटों को लेकर सबसे ज्यादा किचकिच कांग्रेस को लेकर है। कांग्रेस जितनी सीटें मांग रही है, आरजेडी उसे उतनी सीटें नहीं देना चाहती। बिहार से आ रही मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरजेडी ने कांग्रेस को 54 सीटों का ऑफर दिया है लेकिन बिहार प्रदेश कांग्रेस की ओर से आरजेडी को 75 सीटों की सूची भेजी है। महागठबंधन की अगुवाई कर रही आरजेडी के सामने एक बड़ी मुश्किल यह भी है कि इस बार महागठबंधन में दो और राजनीतिक दल शामिल हो गए हैं।

निषाद की भाजपा में वापसी जल्द

कुछ नेताओं की घर वापसी भी हो रही है। इसी कड़ी में अब दिग्गज नेता अजय निषाद का नाम भी जुड़ने वाला है। कांग्रेस से मुजफ्फरपुर लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले अजय निषाद की भाजपा में वापसी हो सकती है। भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर वह कांग्रेस में चले गए थे। चुनाव में वह हार गए थे।

कांग्रेस उम्मीदवार करन का सम्मान

तरनतारन। कांग्रेस पार्टी की ओर से उपचुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित होते ही करनबीर सिंह करन बुर्ज ने तरनतारन शहर के दिग्गज नेताओं से मुलाकातों का सिलसिला शुरु कर दिया। तरनतारन से टिकट के दावेदार रहे अवतार सिंह तनेजा के आवास पर पहुंचकर उन्होंने चुनाव में सहयोग मांगा।

आजम से मिले अखिलेश, झूठे केसों में फंसाया गया

समाजवादी पार्टी के सीनियर नेता आजम खान से मुलाकात के बाद अखिलेश यादव का कहना है कि आजम खान पार्टी की धड़कन हैं और उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें बेवजह के मुकदमों में फंसाया गया और जेल भेज दिया गया। समाजवादी पार्टी आजम खान के साथ है और हमेशा रहेगी।

बरेली में अब तगड़ा फंस गया मौलाना तौकीर रजा!

इधर बुलडोजर ऐक्शन, उधर योगी की पुलिस ने मांग ली 6 साल पुराने केस में रिमांड

बरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद कार्रवाइयों का दौर जारी है। जिले में जुमे की नमाज के बाद आई लव मोहम्मद के पोस्टर को लेकर बवाल हो गया था। इस बवाल को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इस लाठीचार्ज में कई लोग घायल हो गए थे। इस मामले में मौलाना तौकीर रजा खां समेत कई लोगों को जेल भेज दिया गया है। उधर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान के बाद से मौलाना तौकीर रजा पर कानून का शिकंजा कसता जा रहा है। मौलाना तौकीर रजा पर साल 2019 में सीएए-एनआरसी के विरोध के दौरान बरेली में हुए उपद्रव के मुकदमे में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। दरअसल बरेली हिंसा के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि वह मौलाना भूल गया कि शासन किसका है, उसे लगता था कि धमकी देंगे और जबरदस्ती जाम कर देंगे। हमने कहा कि न जाम होगा और न ही कर्फ्यू लगेगा लेकिन कर्फ्यू का सबक तुम्हें ऐसा सिखा देंगे कि तुम्हारी आने वाली पीढ़ी दंगा करना भूल जाएंगी। मौलाना तौकीर रजा बरेली हिंसा मामले में मुख्य आरोपियों में शामिल है। उनके और उनके करीबियों को जेल भेजने के साथ ही अवैध निर्माण पर बुल्डोजर भी गरज रहा है।

यूएन में भारत बोला पाकिस्तान अपने ही लोगों पर गिर देता है बम

कहा-जिनकी सेना 4 लाख महिलाओं से दुष्कर्म करे, उन्हें दूसरों को सिखाने का हक नहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कश्मीर को लेकर झूठे प्रचार करने पर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। ओपन डिबेट के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा, पाकिस्तान एक ऐसा देश है, जो अपने ही लोगों पर बम गिराता है और नरसंहार करता है। हरीश ने कहा, जो अपने लोगों पर बम गिराए और 4 लाख महिलाओं के साथ रेप जैसा अमानवीय अपराध करे, उसे दूसरों को सिखाने का कोई अधिकार नहीं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दुनिया का ध्यान भटकाने और गुमराह करने के लिए झूठ और बढ़ा-चढ़ाकर बातें करता है। हरीश ने यह बयान उस समय दिया, जब एक पाकिस्तानी अधिकारी ने आरोप लगाया कि कश्मीरी महिलाएं दशकों से यौन हिंसा झेल रही हैं। वहीं, भारत ने एक बार फिर दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

राजनीतिक दल भी चुनाव आयोग की तरह करें पारदर्शिता की पहल

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ जो नई पहलें की हैं, वे भारतीय लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। यह केवल चुनाव कराने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि उसे पारदर्शी, विश्वसनीय और मतदाता के लिए सहज बनाने की कोशिश भी है। आयोग का यह दृष्टिकोण इस बात का प्रमाण है कि लोकतंत्र केवल मतदान की एक औपचारिकता नहीं, बल्कि लोगों की भागीदारी से जीवंत रहने वाला तंत्र है। इस बार आयोग ने जिन सत्रह सुधार उपायों की घोषणा की है, वे आने वाले समय में पूरे देश की चुनावी प्रणाली के लिए दिशा तय कर सकते हैं। सबसे अहम बात यह है कि आयोग का ध्यान मतदाता की सुविधा पर केंद्रित रहा है। बहुमंजिला इमारतों में अलग से मतदान केंद्र बनाना और एक मतदान केंद्र पर अधिकतम 1200 मतदाताओं की सीमा तय करना इस सोच का हिस्सा है। इससे मतदाताओं को लंबी कतारों से राहत मिलेगी और सामाजिक दूरी जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं भी बेहतर ढंग से लागू की जा सकेंगी। यह पहल खास तौर पर शहरी इलाकों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है, जहां जनसंख्या घनत्व अधिक होने के कारण मतदान केंद्रों पर भीड़ एक आम समस्या रही है। चुनाव आयोग ने पिछले कुछ वर्षों में जो सुधारात्मक कदम उठाए हैं, उनमें घर-घर जाकर अशक्त और बुजुर्ग मतदाताओं से मतदान करवाने की व्यवस्था विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। इस कदम से उन लोगों को लोकतंत्र में भागीदारी का अवसर मिला जो शारीरिक रूप से मतदान केंद्र तक नहीं जा सकते थे। इससे मतदान प्रतिशत में सुधार देखा गया और यह साबित हुआ कि जब सुविधा बढ़ती है, तो भागीदारी भी बढ़ती है। पारदर्शिता की दिशा में भी आयोग लगातार सक्रिय है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) और वीवीपैट जैसी तकनीकों के प्रयोग ने चुनावों पर उठने वाले संदेहों को काफी हद तक कम किया है। अब नई व्यवस्थाओं से मतगणना और रिपोर्टिंग प्रक्रियाएं और भी बेहतर होंगी। इन सबके साथ आयोग ने जिस तरह से जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया है, वह लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करेगा। मतदाता तभी मतदान के प्रति गंभीर होते हैं जब उन्हें अपनी भूमिका का महत्व समझाया जाए। हालांकि इन सुधारों की सफलता तभी सुनिश्चित हो सकती है जब राजनीतिक दल भी उसी स्तर की ईमानदारी और जवाबदेही दिखाएं, जैसी अपेक्षा आयोग से की जाती है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे भी चुनाव आयोग की तरह पारदर्शिता और मतदाता हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। अक्सर देखा जाता है कि चुनाव प्रक्रिया में सुधार के बजाय राजनीतिक दल लाभ-हानि के समीकरण में उलझ जाते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि स्वच्छ और पारदर्शी चुनाव ही लोकतंत्र की बुनियाद को मज़बूती दे सकते हैं।

498ए का दुरुपयोग: गलत आरोप के विनाशकारी प्रभाव – कानूनी सुरक्षा या प्रतिशोध का खतरनाक हथियार?

-सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी: "कानून के भय से रिश्ते संदेह में बदल रहे हैं"

भारत में विवाह को केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का पवित्र बंधन माना जाता है। इस बंधन में आपसी सम्मान, विश्वास और त्याग की अपेक्षा की जाती है। लेकिन जब यह रिश्ता टूटता है या तनावपूर्ण होता है, तो उसके परिणाम केवल पति-पत्नी तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरे परिवार, समाज और न्याय प्रणाली पर गहरा असर डालते हैं। ऐसा ही एक कानूनी प्रावधान जिसने सामाजिक और न्यायिक बहस को जन्म दिया है — वह है भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 498ए, जिसे अब भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 84 में शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य था — विवाहिता महिलाओं को दहेज उत्पीड़न और मानसिक-शारीरिक क्रूरता से बचाना। लेकिन समय के साथ, इस कानून का दुरुपयोग इतना बढ़ा कि स्वयं सर्वोच्च न्यायालय को इसे लेकर चिंता व्यक्त करनी पड़ी।

धारा 498ए का उद्देश्य और प्रारंभिक संदर्भ

साल 1983 में भारतीय संसद ने दहेज प्रथा और महिलाओं पर बढ़ते घरेलू उत्पीड़न को रोकने के लिए यह धारा जोड़ी थी।

इस धारा के अंतर्गत — "यदि कोई पति या उसके रिश्तेदार विवाहिता महिला के साथ इस प्रकार का व्यवहार करते हैं जिससे उसे आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना पड़े या उसके स्वास्थ्य को गंभीर हानि पहुँचे, तो उसे तीन साल तक की सज़ा और जुर्माने से दंडित किया जा सकता है।" यह प्रावधान ग़ैर-जमानती (non-bailable), संज्ञेय (cognizable) और ग़ैर-समझौताकारी (non-compoundable) अपराध की श्रेणी में आता है। कानून के निर्माताओं

का इरादा था महिलाओं को सुरक्षा देना — ताकि कोई पीड़िता डर या सामाजिक दबाव में चुप न रहे। लेकिन धीरे-धीरे यह सुरक्षा-कवच कई मामलों में प्रतिशोध का हथियार बन गया।

सुप्रीम कोर्ट की ताज़ा टिप्पणी: "कानून के भय से रिश्ते संदेह में बदल रहे हैं"

'शोभित कुमार मित्तल बनाम उत्तर प्रदेश' (2024) के मामले में, सुप्रीम कोर्ट की पीठ — न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और आर. महादेवन ने सुनवाई करते हुए कहा: "आजकल सास यानी बेटे की मां और पति, झूठी शिकायतों के कारण पत्नी से बहुत सावधान रहते हैं। हमने कई शिकायतें खारिज की हैं। हम यह नहीं कह रहे कि हर मामला झूठा है, लेकिन धारा 498ए बहुत कठोर है और इसका दुरुपयोग बढ़ रहा है।" इस मामले में महिला ने शादी के डेढ़ महीने के भीतर ही 498ए के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। अदालत ने कहा कि — "केवल सामान्य आरोप, बिना विशिष्ट विवरणों के, किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई जारी रखने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।" अर्थात्, केवल "उत्पीड़न हुआ" कह देना काफी नहीं; प्रत्येक घटना, तारीख और परिस्थिति का विवरण आवश्यक है।

दिल्ली उच्च न्यायालय की चेतावनी: "कानून को बदले की भावना से प्रयोग न करें"

इसी वर्ष 'पूजा रासने बनाम राज्य (NCT of Delhi)' मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा: "498ए एक आवश्यक प्रावधान है जो महिलाओं को वैवाहिक क्रूरता और दहेज उत्पीड़न से बचाता है। लेकिन पति के रिश्तेदारों के खिलाफ व्यापक और निराधार आरोपों के माध्यम से इसके दुरुपयोग को रोका जाना चाहिए।" अदालत ने यह भी कहा कि — "केवल तभी मुकदमा आगे बढ़े, जब प्रथम दृष्टया आरोप साबित होते हों। अन्यथा निर्दोष व्यक्तियों को अनावश्यक मुकदमेबाज़ी और अपमान से गुजरना पड़ेगा।"

सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व निर्णय और चेतावनियाँ

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दो दशकों में कई बार 498ए के दुरुपयोग पर चिंता जताई है।

कुछ प्रमुख उदाहरण — सुषील कुमार शर्मा बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (2005) अदालत ने कहा: "धारा 498ए का उद्देश्य है क्रूरता के मामलों में न्याय देना, लेकिन इसे 'कानूनी आतंकवाद' में बदलना संविधान की भावना के विपरीत है।"

अर्जुन सिंह बनाम राज्य (2017): कोर्ट ने माना कि परिवार के प्रत्येक सदस्य को बिना सबूत फंसाना "न्याय का दुरुपयोग" है।

राजेश शर्मा बनाम उत्तर प्रदेश (2017): इस ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निर्देश दिया कि 498ए के तहत किसी भी गिरफ्तारी से पहले जिला स्तर पर फैमिली वेलफेयर कमेटी की रिपोर्ट ली जाए। मई 2024 – जे.बी. पारदीवाला व मनोज मिश्रा की पीठ: संसद से आग्रह किया कि भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 85-86 (जो 498ए की तरह ही है) को लागू करने से पहले इनकी समीक्षा की जाए, ताकि "सुरक्षा और दुरुपयोग" के बीच संतुलन बने।

समाज पर प्रभाव: झूठे आरोपों से टूटते परिवार और बिखरते जीवन

498ए का दुरुपयोग केवल कानूनी लड़ाई तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है —

परिवार का विघटन: जब पत्नी द्वारा झूठा मामला दर्ज होता है, तो केवल पति ही नहीं बल्कि उसके बूढ़े माता-पिता, बहन-भाई, यहां तक कि दूर के रिश्तेदार भी आरोपी बना दिए जाते हैं।

ऐसे मामलों में: गिरफ्तारी होती है, सामाजिक बदनामी फैलती है, नौकरी और करियर पर असर पड़ता है, और कई बार पारिवारिक रिश्ते हमेशा के लिए टूट जाते हैं।

न्याय प्रणाली पर भार: 498ए के तहत झूठे मामलों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि अदालतें विवाहिक विवादों से लदे हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार — हर साल 1 लाख से अधिक महिलाएं इस धारा का उपयोग करती हैं, लेकिन इनमें से लगभग 70 प्रतिशत मामले अंततः खारिज हो जाते हैं।

निर्दोषों की मानसिक पीड़ा: झूठे आरोपों में फंसे व्यक्ति और उसका परिवार "सामाजिक मौत" झेलते हैं।

पड़ोसी बातें करते हैं, रिश्तेदार दूरी बना लेते हैं, बच्चों की मानसिकता प्रभावित होती है, और परिवार टूटने के बाद कोई "विजेता" नहीं रहता, सिर्फ बर्बादी होती है।

कानूनी व्यवस्था की साख पर प्रश्नचिह्न: जब एक कानून, जो सुरक्षा देने के लिए बना था, "प्रतिशोध" का ज़रिया बन जाए, तो समाज कानून की नीयत पर सवाल उठाने लगता है। यह स्थिति "लॉ एंड ऑर्डर" के लिए भी ख़तरनाक है।

कारण: क्यों होता है दुरुपयोग?

प्रतिशोध की भावना – अलगाव या विवाद के बाद कुछ महिलाएं पति और ससुराल वालों से बदला लेने के लिए मामला दर्ज करती हैं।

कानूनी जानकारी का अभाव – कई बार महिला स्वयं नहीं समझती कि उसका आरोप कितना गंभीर है; वकीलों या परामर्शदाताओं के कहने पर शिकायत कर देती है।

समाज का दबाव – परिवार या मित्र कहते हैं कि "कठोर कदम उठाओ", जिससे भावनात्मक निर्णय लिया जाता है।

स्वदेशी एआई: भारत की डिजिटल आत्मनिर्भरता की कुंजी

-स्वदेशी एआई के निर्माण के लिए आवश्यक कदम

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence - AI) आज इक्कीसवीं सदी की सबसे परिवर्तनकारी तकनीक बन चुकी है। जिस तरह औद्योगिक क्रांति ने मानव सभ्यता की दिशा बदल दी थी, उसी तरह एआई भी एक नई 'डिजिटल क्रांति' का केंद्र बनकर उभर रही है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग, रक्षा और प्रशासन — हर क्षेत्र में एआई के उपयोग ने दक्षता, उत्पादकता और निर्णय क्षमता को कई गुना बढ़ा दिया है। लेकिन भारत के सामने सबसे अहम सवाल यह है कि क्या हम इस एआई क्रांति के केवल उपभोक्ता बनकर रह जाएंगे या फिर इसके निर्माता बनेंगे? क्या हम विदेशी तकनीकी कंपनियों पर निर्भर रहेंगे, जो हमारे डेटा से अरबों डॉलर का लाभ कमाती हैं, या फिर हम अपनी "स्वदेशी एआई" क्षमता विकसित करेंगे ताकि हमारा डेटा, हमारा ज्ञान और हमारा भविष्य हमारे ही नियंत्रण में रहे?

एआई का वैश्विक परिदृश्य और भारत की स्थिति

वर्तमान में अमेरिका, चीन, और यूरोप के कुछ देश कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अग्रणी हैं। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, ओपनएआई, मेटा, एनवीडिया जैसी कंपनियां एआई के विकास और उसके व्यावसायिक उपयोग पर हावी हैं। इन कंपनियों के पास न केवल विशाल पूंजी है, बल्कि अरबों उपयोगकर्ताओं का डेटा भी उनके पास जमा है, जिसके आधार पर वे अपने एआई मॉडल को प्रशिक्षित करती हैं। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा डिजिटल उपभोक्ता देश है। हमारे यहां 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, करोड़ों मोबाइल फोन, लाखों ऑनलाइन सेवाएं और एक विशाल डेटा इकोसिस्टम मौजूद है। लेकिन अफसोस की बात यह है कि यह सारा डेटा और डिजिटल गतिविधियां ज्यादातर विदेशी तकनीकों के प्लेटफॉर्म पर चल रही हैं। इसका मतलब यह हुआ कि भारतीय नागरिकों की भाषा, सोच, व्यवहार, उपभोग और यहां तक कि भावनाओं का डेटा विदेशी कंपनियों के पास है — और वे इसे अपनी तकनीक के प्रशिक्षण में इस्तेमाल कर रही हैं। नतीजा यह कि लाभ भी उन्हें हो रहा है और नियंत्रण भी उनके हाथ में है।

भारत को स्वदेशी एआई की ज़रूरत क्यों है

भारत के लिए "स्वदेशी एआई" केवल एक तकनीकी पहल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता और डिजिटल संप्रभुता (Digital Sovereignty) का सवाल है।

आर्थिक स्वतंत्रता और नवाचार की दिशा में कदम: यदि भारत अपनी घरेलू एआई पारिस्थितिकी विकसित करता है, तो इससे न केवल तकनीकी स्वतंत्रता मिलेगी, बल्कि आर्थिक विकास को भी नई दिशा मिलेगी। स्टार्टअप्स और नवाचार को बल – भारत में पहले से ही 100 से अधिक यूनिकॉर्न स्टार्टअप हैं। यदि एआई का स्वदेशी इकोसिस्टम विकसित होता है, तो स्टार्टअप्स को अपने स्थानीय डेटा, स्थानीय समस्याओं और स्थानीय भाषा के लिए समाधान बनाने के अवसर मिलेंगे। इससे नई नौकरियां पैदा होंगी और निवेश के नए अवसर खुलेंगे। विदेशी निर्भरता घटेगी – अभी हमारे बैंकिंग, हेल्थकेयर, एजुकेशन और गवर्नेंस सिस्टम में विदेशी एआई टूल्स का इस्तेमाल होता है। इससे न केवल भारी विदेशी मुद्रा खर्च होती है, बल्कि संवेदनशील जानकारी का रिस्क भी बढ़ जाता है। स्वदेशी एआई इन जोखिमों को कम कर सकता है।

सांस्कृतिक और भाषाई समावेशन: भारत की विविधता इतनी गहरी है कि कोई भी वैश्विक एआई मॉडल उसकी बारीकियों को पूरी तरह नहीं समझ सकता। अंग्रेज़ी-आधारित मॉडल भारतीय भाषाओं, मुहावरों, भावनाओं और संदर्भों को सही ढंग से नहीं पकड़ पाते। भाषाई न्याय – भारत में 22 से अधिक अनुसूचित भाषाएं और हजारों बोलियां हैं। स्वदेशी एआई इन सभी भाषाओं में संवाद और डेटा प्रोसेसिंग कर सकता है। इससे ग्रामीण, किसान, छात्र, और लघु उद्यमी जैसे वर्गों को भी एआई के लाभ मिल सकते हैं। सांस्कृतिक सुरक्षा – विदेशी एआई मॉडल अक्सर पश्चिमी सोच और मूल्य प्रणाली के आधार पर निर्णय लेते हैं। इससे भारतीय समाज की सांस्कृतिक आत्मा प्रभावित होती है। स्वदेशी एआई हमारे अपने समाज, परंपराओं और संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया जा सकता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा और डेटा नियंत्रण: डेटा ही आज की नई "डिजिटल सोना" है। यदि हमारे नागरिकों, उद्योगों और सरकारों का डेटा विदेशी सर्वर पर संग्रहित होता है, तो यह एक गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिम है। डेटा लीकेज और जासूसी का खतरा – कई बार विदेशी कंपनियों पर यह आरोप लगा है कि वे उपयोगकर्ताओं का डेटा तीसरे देशों को बेचती हैं या उसका विश्लेषण कर सरकारी नीतियों को प्रभावित करती हैं। साइबर सुरक्षा की मजबूती – स्वदेशी एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्वर सिस्टम होने से डेटा देश के भीतर रहेगा और उसकी सुरक्षा पर नियंत्रण भी भारत के हाथ में रहेगा।

भारत में एआई के संभावित उपयोग

भारत जैसे विशाल देश में एआई का उपयोग जीवन के हर क्षेत्र को बदल सकता है — अगर इसे सही दिशा में विकसित किया जाए।

कृषि: कृषि क्षेत्र में एआई किसानों के लिए वरदान साबित हो सकता है। फसल रोग की पहचान, मिट्टी की गुणवत्ता, मौसम पूर्वानुमान, और उपज का आकलन एआई आधारित उपकरणों से आसान हो सकता है। ड्रोन और सेंसर डेटा के साथ एआई के संयोजन से सटीक कृषि (Precision Farming) को बढ़ावा मिलेगा। इससे खाद, पानी और ऊर्जा की बचत होगी और उत्पादकता बढ़ेगी।

स्वास्थ्य सेवाएं: भारत में डॉक्टरों की कमी है, विशेषकर ग्रामीण इलाकों में। एआई आधारित निदान उपकरण डॉक्टरों की सहायता कर सकते हैं। रोग की प्रारंभिक पहचान (जैसे कैंसर, हृदय रोग) में एआई का उपयोग मरीजों की जान बचा सकता है। सरकारी अस्पतालों में एआई से मरीजों का रिकॉर्ड और दवा वितरण प्रणाली पारदर्शी बनाई जा सकती है।

शिक्षा: एआई आधारित लर्निंग प्लेटफॉर्म छात्रों को उनकी क्षमता और रुचि के अनुसार व्यक्तिगत शिक्षा प्रदान कर सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां शिक्षकों की कमी है, वहां एआई आधारित वर्चुअल टीचर बच्चों की पढ़ाई में मदद कर सकते हैं। एआई भाषा अनुवाद प्रणाली से हिंदी, तमिल, बंगाली या मराठी जैसे भाषाई छात्रों को भी वैश्विक ज्ञान सुलभ हो सकेगा।

शासन और प्रशासन: सरकारी योजनाओं की निगरानी, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और सेवा वितरण में एआई का बड़ा योगदान हो सकता है।

ग्रामीण और शहरी सेवा शिविर: जनसेवा का माध्यम या सरकारी औपचारिकता?

-जनता तक राहत पहुंचाने की मंशा नेक, लेकिन लापरवाही और दिखावे ने बिगाड़ी व्यवस्था की साख

राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों में इन दिनों "ग्रामीण और शहरी सेवा शिविर" सरकारी कार्यसंस्कृति का अहम हिस्सा बन चुके हैं। सरकारें आम जनता तक योजनाओं की सीधी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर ऐसे अभियान चलाती हैं। इन शिविरों का घोषित उद्देश्य यही होता है कि जनता को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि अधिकारी-कर्मचारी स्वयं जनता के दरवाज़े तक सेवा लेकर जाएं। यह विचार निस्संदेह उत्कृष्ट है — एक ऐसी व्यवस्था का संकेत देता है जिसमें 'सरकार जनता के बीच' उतरती दिखे। लेकिन, इस नेक मंशा के बावजूद हाल के वर्षों में ऐसे शिविरों की वास्तविकता कुछ और कहानी कहती है। कई जगहों से लगातार यह शिकायतें आ रही हैं कि ये सेवा शिविर अपने मूल उद्देश्य से भटककर महज़ औपचारिक कार्यक्रम बनकर रह गए हैं। अधिकारियों की लापरवाही, कर्मियों की अनुपस्थिति और व्यवस्थाओं की अव्यवस्था ने जनता में यह धारणा बना दी है कि "शिविर" का मतलब है "फोटो सेशन" या "सरकारी दिखावा"।

शिविरों की सोच और ज़मीनी सच्चाई

राज्य सरकारें जब इन शिविरों की रूपरेखा बनाती हैं, तो उद्देश्य होता है— राजस्व रिकॉर्ड में सुधार, पेंशन स्वीकृति, बिजली-पानी से जुड़ी समस्याएं, जन आधार और राशन कार्ड अपडेट, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ का वितरण, तथा चिकित्सा जांच जैसी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना। ग्रामीण अंचल में जहाँ प्रशासनिक ढाँचा सीमित होता है, वहाँ इन शिविरों का महत्व और बढ़ जाता है। किन्तु कोटा जिले की घटना, जहाँ शिक्षा मंत्री मदन दिलावर स्वयं एक शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे और पाया कि निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी सारी कुर्सियाँ खाली हैं — यह स्थिति इस पूरी व्यवस्था की पोल खोलने के लिए पर्याप्त है। जब मंत्री को खुद अधिकारियों

को फोन लगाना पड़े, तब समझा जा सकता है कि आम जनता के साथ क्या व्यवहार होता होगा। यह घटना अकेली नहीं है। प्रदेशभर से ऐसी कई रिपोर्टें सामने आई हैं जहाँ अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति नाम मात्र की रही। कई स्थानों पर तो टेंट, कुर्सियाँ और बैनर जरूर लगे, लेकिन सेवा देने वाले कर्मचारी ही गायब थे। जनता दूर-दूर से अपनी समस्याएँ लेकर पहुँची, पर समाधान की जगह मायूसी लेकर लौटी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या ये शिविर जनसेवा का माध्यम हैं या महज़ सरकारी रस्मअदायगी?

दिखावे की सरकारी संस्कृति

हमारे यहाँ एक प्रवृत्ति वर्षों से देखी जा रही है कि किसी योजना या सेवा को लागू करने से अधिक, उसका "प्रचार" ज़्यादा ज़रूरी समझा जाता है। मंत्री या जनप्रतिनिधि जब किसी शिविर का उद्घाटन करते हैं, तो मीडिया कवरेज और फोटो सेशन मुख्य आकर्षण बन जाता है। किसी बूढ़ी महिला को पेंशन की पहली राशि देने या किसी किसान को पट्टा सौंपने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब घूमती हैं। लेकिन इनसे यह नहीं झलकता कि हज़ारों अन्य लोग अब भी अपने काग़ज़ों की फाइलों के साथ दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। यहाँ असल सवाल यह नहीं कि शिविर कितने लगाए गए, बल्कि यह है कि क्या शिविरों की वजह से "स्थायी समाधान" का रास्ता खुला? क्या जो समस्याएँ आज इन शिविरों में हल हो रही हैं, वे सामान्य दिनों में सरकारी दफ्तरों में क्यों नहीं सुलझाई जा सकतीं?

लालफीताशाही और जवाबदेही का अभाव

भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में "लालफीताशाही" (bureaucratic red-tapism) की चर्चा नई नहीं है। फ़ाइल एक टेबल से दूसरी टेबल तक घूमती रहती है और आम आदमी का काम महीनों लटका रहता है। जब वही काम शिविर में कुछ मिनटों में हो जाता है, तो यह दो चीज़ें साफ़ करता है — दफ्तरों में जानबूझकर देरी की जाती है, और उन पर कोई जवाबदेही तय नहीं होती। एक व्यक्ति अगर वर्षों से अपने नाम का सुधार करवाने के लिए राजस्व विभाग के चक्कर काट रहा था और वही सुधार शिविर में तुरंत हो गया, तो यह इस बात का सबूत है कि व्यवस्था के भीतर निष्क्रियता और मनमानी व्याप्त है। शिविरों में अफसरों को "काम करने का आदेश" देना पड़ता है, जबकि वही काम उनका नियमित दायित्व होना चाहिए।

शिविरों का राजनीतिक उपयोग

यह भी देखने में आता है कि इन शिविरों का उपयोग कई बार सरकारें अपनी "जनता से नज़दीकी" दिखाने के मंच के रूप में करती हैं। मंत्रीगण और विधायक इन कार्यक्रमों में जाकर भाषण देते हैं कि "हम जनता के द्वार तक सेवा लेकर पहुँचे हैं", जबकि वास्तव में शिविर का मकसद जनसेवा से ज़्यादा राजनीतिक संदेश देने का बन जाता है। योजनाओं की गिनती की जाती है, पोस्टर लगाए जाते हैं, लेकिन जो नागरिक सुबह से लाइन में खड़ा है, उसे अंत तक इंतज़ार करना पड़ता है।

क्या सेवा शिविर स्थायी समाधान हैं?

शिविरों की अवधारणा तब तक सार्थक है जब तक वह स्थायी प्रशासनिक सुधार की दिशा में कदम साबित हो। लेकिन आज यह केवल "तदर्थ व्यवस्था" (temporary arrangement) बन गई है।

प्रशासन को यह समझना होगा कि शिविर कोई स्थायी विकल्प नहीं हैं, बल्कि एक अस्थायी उपाय हैं, जो उन खामियों को ढकने का काम करते हैं जो सरकारी मशीनरी में पहले से मौजूद हैं। अगर हर छह महीने में सरकार को ऐसे शिविर लगाने पड़ें ताकि जनता को राहत मिल सके, तो इसका मतलब है कि सरकारी कार्यालयों की सामान्य कार्यप्रणाली में गंभीर दोष हैं।

जनता की उम्मीदें और हकीकत

ग्रामीण इलाकों में शिविरों की उम्मीद बहुत बड़ी होती है। दूर-दराज़ के गाँवों से लोग अपने छोटे-छोटे कामों के लिए सुबह-सुबह निकलते हैं, दस्तावेज़ लेकर आते हैं और उम्मीद करते हैं कि आज उनका काम हो जाएगा। लेकिन जब वहाँ पहुँचकर उन्हें पता चलता है कि संबंधित अधिकारी आए ही नहीं या काग़ज़ अधूरे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सूरत के श्याम बाबा मंदिर में किए दर्शन

-आध्यात्मिक पर्यटन से प्रदेश में बढ़ेगा सांस्कृतिक जुड़ाव, स्थानीय रोजगार के अवसर होंगे बेहतर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सूरत स्थित श्याम बाबा मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन सर्किट के माध्यम से सांस्कृतिक जुड़ाव, ग्रामीण विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सांस्कृतिक और सामाजिक रिश्तों को मजबूत बनाने में सूरत में बसे राजस्थानियों की भूमिका की भी सराहना की। इस दौरान संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल सहित वरिष्ठ अधिकारीगण एवं प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।

सफाई कर्मचारी की ऊपर तक पहुंच एक पत्रकार से दूसरे पत्रकार को दिलाई धमकी

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। बड़ा अजीब जमाना है। इंसानियत का नहीं कोई ठिकाना है। साथ देते हैं ऐसे सभी लोगों का। जिनका दुनिया में बेईमानी, छल कपट का फसाना है। मैंने सच को सच और गलत को गलत क्या लिख दिया तो बवंडर हो गया। हम अहा भी करें तो हो जाते हैं बदनाम। वो कत्ल भी कर दे तो नहीं लगता है कोई इल्जाम। यह आज के ज़माने का अजीब दस्तूर है। इसीलिए हकीकत बयां करने से ईमानदार पत्रकार बहुत मजबूर है। बेईमानी,झूठ, छल,कपट की इस दुनिया में जीना हराम हो रहा है। इसलिए सही को सही लिखने वाला हिंदुस्तानी बदनाम हो रहा है। मैंने प्रयास किया था दुनिया को आइना दिखा कर कुछ हद तक बदलने का। मुझ पर ही हमला कर दिया कुछ सिरफिरे लोगों ने। काश मैं भी उन जैसा होता तो आज मजे में होता। लेकिन मेरे इस जज्बाती दिल ने गवारा नहीं किया। आज मुझे सही लिखने पर धमकियां मिल रही है। ऊल-जुलूल बातें की जा रही है। कई तरह के इल्जाम लगाए जा रहे हैं। यदि कोई मुझे गलत साबित कर दे तो मैं हमेशा के लिए पत्रकारिता छोड़ कर घर बैठ जाऊंगा। वरना मेरी कलम की धार इसी तरह चलती रहेगी सही को सही और गलत को गलत लिखती रहेगी। आजकल झूठ फैला कर सरकार को बदनाम करने का बहुत बड़ा षड्यंत्र रचा जा रहा है। इस पर मैं कहना चाहता हूं कि - झूटो ने झूटो से कहा है कि सच बोलो। चारों तरफ ऐलान हो रहा है कि सच बोलो। झूटो की घर में एक मंडी है- झूटो की घर में एक मंडी है। घर के दरवाजे पर लिखा हुआ है कि सच बोलो। मैं इसी तरह आईना दिखाता रहूंगा। उसमें आकृति बनाना आपका काम है। रघुकुल रीत सदा चली आई। प्राण जाए पर वचन न जाई।

द्रासी बाबा रहमतुल्ला अलेह का 3 दिवसीय वार्षिक उर्स 9 अक्टूबर से

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के शास्त्री नगर पुलिस थाने के पास वाले मुस्लिम कब्रस्तान में स्थित हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतिक हजरत मद्रासी बाबा रहमतुल्ला अलेह का 3 दिवसीय वार्षिक उर्स 09 अक्टूबर 2025 गुरुवार से शुरु होगा जो कि 11 अक्टूबर 2025 शनिवार को कूल की रस्म के साथ में विधिवत संपन्न होगा। मुतवली व सज्जादा नशीन खलीफा मोहम्मद सलीम ने बताया कि 09 अक्टूबर गुरुवार को सुबह 9 बजे कुरानख्वानी होगी रात्रि 9 बजे बाद में मिलादुन्नबी कमेटी द्वारा मिलाद शरीफ की जाएगी। जिसमें खुदा के हुकम व मोहम्मद साहब के बताए हुए मार्ग पर चलने की बात कही जाएगी। ईसी प्रकार सोमवार 10 अक्टूबर शुक्रवार की शाम को चादर पेश की जाएगी रात्रि 9 बजे बाद में राजस्थानी प्रसिद्ध कव्वाल पार्टी द्वारा बाबा की मान मनुहार की जाएगी। शनिवार 11 अक्टूबर को सुबह 9 बजे रंग व कूल 10 बजे फातेहा, लंगर व दुआ होगी।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

-03 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता श्री अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में बरकत नगर किसान मार्ग गली नं. 17, सीबीआई फाटक, खातीपुरा पुलिया के नीचे गोनेर रोड़, नो दुकान गोविन्दपुरा, अशोक विहार विस्तार सिरसी फाटक, रोड़ नं. 03 सेक्टर-9 चित्रकुट से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 03 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में बरकत नगर किसान मार्ग गली नं. 17, सीबीआई फाटक, खातीपुरा पुलिया के नीचे गोनेर रोड़, नो दुकान गोविन्दपुरा, अशोक विहार विस्तार सिरसी फाटक, रोड़ नं. 03 सेक्टर-9 चित्रकुट से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 03 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

डेनमार्क के लिए रवाना हुआ राजस्थान के 38 प्रगतिशील किसानों का दल

-पशुपालन मंत्री सहित तीन मंत्री व अधिकारी भी हैं इस दल में

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा के बिन्द 124 के तहत किसानों की क्षमता वृद्धि के लिए नॉलेज एनहांसमेंट प्रोग्राम के तहत 38 प्रगतिशील किसानों का दल तीन मंत्रिगण के नेतृत्व में बुधवार को नई दिल्ली से डेनमार्क के कोपेनहेगन के लिए रवाना हुआ। इस दल में पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, पंचायती राज व ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटा राम देवासी, पशुपालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, किसान आयोग के अध्यक्ष सी. आर. चौधरी, पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा, कृषि आयुक्त सुश्री चिन्मयी गोपाल, कृषि विपणन निदेशक राजेश कुमार चौहान के साथ कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन विभागों के 9 अधिकारी भी शामिल हैं। इस दौरे में भरतपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा, सीकर व उदयपुर कृषि संभाग से 4-4 कृषक, श्रीगंगानगर, बीकानेर, जालोर व कोटा कृषि संभाग से 3-3 तथा जयपुर कृषि संभाग से 6 किसान सहित कुल 38 किसान डेनमार्क के लिए रवाना हुए हैं। कृषक दल का प्रतिनिधित्व जोराराम कुमावत कर रहे हैं। जोराराम कुमावत ने बताया कि राज्य के कृषकों की आय के मूल स्रोत कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन के मद्देनजर प्रथम चरण में डेनमार्क का दौरा तय किया गया। इस दौरे में यह दल 12 अक्टूबर तक कृषि एवं डेयरी क्षेत्र में डेनमार्क में हो रहे नवाचारों की जानकारी प्राप्त करेगा। भ्रमण के दौरान इस दल की डेनमार्क के विभिन्न संगठनो के साथ बैठकें भी होंगी जिसमें कृषि और पशुपालन के क्षेत्र को बढ़ावा देने की जानकारियों को साझा किया जाएगा। भ्रमण दल द्वारा प्रतिदिन किये गए दौरे व बैठकों का सूक्ष्म विश्लेषण किया जाएगा तथा राज्य व देश के परिप्रेक्ष्य में स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल लाभदायक तकनीक व नीतियों को लागू करने की सिफारिश की जाएगी। यह दल 14 अक्टूबर को नई दिल्ली लौटेगा।

शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में संगठन सृजन अभियान की सफल बैठक

-केंद्रीय पर्यवेक्षक विजय इंद्र सिंगला रहे मुख्य अतिथि

शाहपुरा/मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के मनोहरपुर नगर पालिका क्षेत्र में एक सशक्त व सार्थक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक मनोहरपुर स्थित एक निजी गार्डन में संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के मुख्य अतिथि रहे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के केंद्रीय पर्यवेक्षक विजय इंद्र सिंगला, जो पंजाब सरकार में पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद तथा वर्तमान में AICC के CWC सदस्य एवं संयुक्त कोषाध्यक्ष हैं। संगठनात्मक लोकतंत्र की मिसाल विजय इंद्र सिंगला ने अपने उद्बोधन में कहा कि कांग्रेस संगठन हमेशा लोकतांत्रिक परंपराओं पर चलता आया है और संगठन सृजन अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि AICC में ज़िला अध्यक्ष के लिए 6 नामों का पैनल भेजा जाएगा। इस पैनल में अनुसूचित वर्ग और महिला वर्ग से भी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा ताकि संगठन में सामाजिक समावेशिता बनी रहे। सिंगला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में हर कार्यकर्ता को अपनी बात कहने और नेतृत्व चुनने का अधिकार है। ज़िला अध्यक्ष का चयन किसी व्यक्ति विशेष की इच्छा से नहीं, बल्कि आपकी राय और जनभावनाओं से तय होगा। सिंगला ने यह भी कहा कि इस अभियान में प्रत्येक कार्यकर्ता की राय महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से निर्भीक होकर सुझाव देने की अपील करते हुए कहा कि ऐसा जिला अध्यक्ष चुना जाए जो कांग्रेस की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाए और जनता के बीच संगठन की पकड़ को मजबूत करे। विधायक मनीष यादव ने राहुल गांधी के नेतृत्व की सराहना की। यादव ने संगठन सृजन अभियान की सराहना करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने कांग्रेस में आमजन की राय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा यह अभियान पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इससे हर कार्यकर्ता को महसूस हो रहा है कि उसकी राय और भावना का पार्टी में मूल्य है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया कांग्रेस को और मज़बूत करेगी तथा जनता के साथ उसका संबंध और गहरा होगा। जिला अध्यक्ष गोपाल मीना ने दी प्रक्रिया की जानकारी। मीना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में संगठनात्मक चुनाव पूरी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत होते हैं। उन्होंने कहा कि जनता और कार्यकर्ताओं की राय से ही जिला अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। मीणा ने बताया कि संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य हर स्तर पर सक्रिय और प्रतिबद्ध नेतृत्व तैयार करना है ताकि पार्टी के सिद्धांतों और विचारधारा को और प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाया जा सके।

शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में आरएससीईआरटी शासी परिषद की बैठक

-पाठ्य सामग्री भारतीय संस्कृति अनुरूप तैयार करने पर दिया जोर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (आरएससीईआरटी) की शासी परिषद की बैठक बुधवार को उदयपुर जिले में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में संभागीय आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित हुई। बैठक में परिषद की विभिन्न गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान दिलावर ने गत बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना और प्रतिवेदन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पाठ्य सामग्री तैयार करते समय विशेष सावधानी बरती जाए तथा यह भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के अनुरूप होनी चाहिए।

नवाचारों व योजनाओं पर विमर्श —

बैठक में विकास व्यय के अनुमोदन, रिक्त पदों की स्थिति, ष्हमारा राजस्थानष् पुस्तक अद्यतन प्रस्ताव सहित अनेक मौलिक नवाचारों पर चर्चा हुई। मंत्री दिलावर ने स्पष्ट किया कि परिषद के सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएँ। बैठक में शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त सी.आर. देवासी, आरएससीईआरटी निदेशक कविता पाठक सहित विभाग के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर एवं लोकवाहन समिति अध्यक्ष विनोद चौधरी ने दांतली मोटर गैराज का किया उद्घाटन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर एवं लोकवाहन समिति अध्यक्ष विनोद चौधरी ने बुधवार को दांतली मोटर गैराज का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर के सातो जोनो में सफाई व्यवस्था हेतु संसाधनों के संचालन व रखरखाव हेतु 4 गैराज संचालित है तथा दांतली गैराज के शुभारम्भ के साथ कुल 5 गैराज संचालित हो गये है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में परिसीमन में नगर निगम ग्रेटर के जगतपुरा जोन में शामिल गांव दांतली, सिरोली, विधाणी, गोनेर के क्षेत्र कुल 10 वार्ड में प्रभावी सफाई व्यवस्था हेतु इस गैराज से संसाधनों का संचालन किया जायेगा। महापौर ने बताया कि दीपावली के अवसर पर उक्त क्षेत्र में प्रभावी सफाई व्यवस्था हेतु आमजन से निगम अधिकारियों, कर्मचारियों को सहयोग प्रदान किये जाने की अपील की जिससे जयपुर शहर सफाई में अग्रणी तथा अव्वल बने।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की पहल पर 300 छात्राओं को नि:शुल्क वैक्सीन

-पाक विस्थापित परिवारों की बेटियों को लगे वैक्सीन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में जयपुर में एक ऐतिहासिक पहल हुई। मानसरोवर क्षेत्र के वरुण पथ स्थित सामुदायिक केंद्र पर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की पहल पर आयोजित निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर ने समाज में नई मिसाल कायम की। इस कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान 300 स्कूली छात्राओं, जिनमें पाकिस्तान से विस्थापित हिन्द परिवारों की बच्चियाँ भी शामिल थीं, को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए निःशुल्क टीकाकरण किया गया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि यह अभियान केवल स्वास्थ्य सेवा नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है जो समाज के हर वर्ग को जोड़ता है।

जनसेवा का जीवंत उदाहरण-

महापौर डॉ. गुर्जर ने इस पहल को पूरी तरह निजी दायित्व मानते हुए अपनी सैलरी से वैक्सीन की लागत वहन की। उन्होंने कहा की"हमारे देश की बच्चियाँ हमारे भविष्य का भारत हैं। उनकी सुरक्षा और सेहत सुनिश्चित करना हर नागरिक का कर्तव्य है।" उनका यह कदम उन परिवारों के लिए वरदान साबित हुआ जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटियों को यह महंगी वैक्सीन नहीं लगवा सकते थे।

विस्थापित परिवारों में भावनात्मक पल-

कार्यक्रम की सबसे भावुक झलक तब देखने को मिली जब पाकिस्तान से विस्थापित हिन्द परिवारों की बच्चियों ने भी टीका लगवाया। एक विस्थापित माँ ने कहा की "हमने बहुत कुछ खोया है, लेकिन आज हमारी बेटियों को जो सुरक्षा मिली है, वह हमें नया जीवन देती है।" इन परिवारों के लिए यह वैक्सीन केवल स्वास्थ्य सुरक्षा नहीं, बल्कि स्वीकृति और सम्मान का प्रतीक भी थी।

"कैंसर हारेगा, भारत जीतेगा"-

टीकाकरण के दौरान बच्चियों ने उत्साहपूर्वक "कैंसर हारेगा, भारत जीतेगा" के नारे लगाए। उनके चेहरों पर मुस्कान और आँखों में आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण थे कि यह पहल केवल टीकाकरण तक सीमित नहीं, बल्कि एक सुरक्षित भविष्य की नींव है।

समाज को प्रेरित करने वाली पहल-

इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि स्वास्थ्य सेवा का अधिकार हर व्यक्ति का है की चाहे उसकी सामाजिक, आर्थिक या धार्मिक स्थिति कुछ भी हो। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की यह पहल संवेदनशील नेतृत्व, नारी सशक्तिकरण और मानवता की सेवा का सशक्त उदाहरण बन गई है। इस अवसर पर माननीय चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि "महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा ही एक स्वस्थ समाज की आधारशिला है।" कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि अरूण वर्मा, रामवतार गुप्ता, प्रदेश प्रवक्ता प्रताप राव जी सहित निगम के अधिकारी एवं आमजन मौजूद रहे।

राजीविका और रुमा देवी फाउंडेशन के बीच हुआ समझौता

-"उन्नति इन्क्यूबेशन हब" पहल के अंतर्गत ग्रामीण एवं आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण को मिलेगी नई दिशा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण एवं आदिवासी महिलाओं के कौशल विकास, उद्यमिता संवर्धन एवं सतत आजीविका सृजन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) ने अपनी नई पहल "उन्नति इन्क्यूबेशन हब" के तहत रुमा देवी फाउंडेशन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन राजीविका राज्य मुख्यालय, जयपुर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रुमा देवी फाउंडेशन की ओर से डॉ. रुमा देवी, विक्रम सिंह (डायरेक्टर) एवं उनकी टीम उपस्थित रहे। राजीविका की ओर से अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, श्रेया गुहा, मिशन निदेशक, राजीविका, नेहा गिरी, परियोजना निदेशक प्रीति सिंह, राज्य परियोजना प्रबंधक डॉ. पूजा शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस समझौते के तहत दोनों संस्थाएँ संयुक्त रूप से महिलाओं के कौशल उन्नयन, उद्यमिता प्रोत्साहन तथा बाज़ार तक पहुँच सुदृढ़ करने के लिए कार्य करेंगी, जिससे ग्रामीण एवं आदिवासी महिलाएँ आत्मनिर्भर बन सकें और उनके उत्पादों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंचों तक पहुँचाने में सहयोग प्राप्त हो सके। राजीविका की व्यापक संस्थागत पहुँच एवं रुमा देवी फाउंडेशन की जमीनी उपस्थिति तथा क्षेत्रीय विशेषज्ञता के माध्यम से यह साझेदारी ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक उत्थान एवं समावेशी विकास के लिए एक नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

आरपीएससी ने जारी की आरएएस मुख्य परीक्षा-2024

-साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने आरएएस मुख्य परीक्षा-2024 के साक्षात्कार के लिए अस्थाई रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी की है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि 2461 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु पूर्णतः अस्थाई रूप से सफल घोषित किया गया है। साक्षात्कार की तिथि के सम्बन्ध में अभ्यर्थियों को यथा समय अवगत करवा दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आयोग द्वारा 2 सितंबर, 2024 को राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं भर्ती-2024 का विज्ञापन जारी किया गया था। इसके तहत कुल 1096 पदों (राज्य सेवाएं -428 एवं अधीनस्थ सेवाएं 668) पर भर्ती हेतु प्रारंभिक परीक्षा 2 फरवरी, 2025 को हुई । इसका परिणाम 20 फरवरी को जारी किया गया। प्रारंभिक परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों ने 17 व 18 जून को मुख्य परीक्षा दी थी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/ 108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हैरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मीडिया प्रकोष्ठ का किया निरीक्षण

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने मंगलवार को अंता विधानसभा उपचुनाव के तहत स्थापित मीडिया प्रकोष्ठ, सोशल मीडिया प्रकोष्ठ एवं शिकायत निवारण एवं वोटर हेल्पलाइन (कंट्रोल रूम) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रसारित समाचारों और सूचनाओं की निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म की मॉनिटरिंग कर रहे कार्मिकों से कार्यप्रणाली की जानकारी ली और कहा कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन संबंधी किसी भी गतिविधि पर विशेष नजर रखी जाए। प्रत्याशियों

या दलों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से नियमों के उल्लंघन के मामलों की तुरंत सूचना जिला निर्वाचन अधिकारी एवं संबंधित रिटर्निंग अधिकारी को दी जाए। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनलों की निगरानी के लिए बनाए गए सेल में जाकर कार्मिकों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की तथा शिकायत निवारण एवं वोटर हेल्पलाइन (कंट्रोल रूम) में कार्यरत कर्मचारियों की कार्य स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करते हुए पारदर्शिता एवं तत्परता से कार्य किया जाए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम भंवर लाल जनागल, एपीआरओ मोहन लाल सहित अन्य अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

राज्य स्तर पर विजेता टीम के खिलाड़ी अजीज का विद्यालय में किया स्वागत

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय घांघू के छात्र अब्दुल अजीज के पाली में आयोजित 69वीं राज्य स्तरीय अंडर 14 विद्यालयी क्रिकेट प्रतियागिता से विजेता टीम के सदस्य के रूप में लौटने पर स्वागत किया।संस्था प्रधान सिकन्दर कुरैशी ने बताया कि वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक रामसिंह सिहाग, जिलाध्यक्ष शारीरिक शिक्षक संघ के नेतृत्व में छात्र ने कड़े अभ्यास के द्वारा ये सफलता अर्जित की, जो कि विद्यालय के लिए गौरव का पल है। अध्यक्षता करते हुए परमेश्वर लाल दर्जी ने कहा कि गांव की खेल प्रतिभाओं ने हमेशा विभिन्न मंचों पर गांव को गौरवान्वित किया है। इसे देखते

ग्राम पंचायत द्वारा खेल प्रतिभाओं का लिए खेल मैदान तैयार करवाया गया है, जो इन प्रतिभाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है। अजीज के पिता अब्दुल मजीद, दादा हाजी यूसुफ, अभिभावक वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक सफी मोहम्मद एवं अन्य परिवारजनों ने इस अवसर पर खुशी जताई। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष बीरबल नोखवाल, शहीद राजेश कुमार फगेड़िया राउमावि के प्रधानाचार्य प्रताप सिंह कुमावत, शहीद लखुसिंह राठौड़ राबाउमावि के प्रधानाचार्य रामचन्द्र जांगिड़, आदित्य झाझड़ा, मनीष भार्गव, सुरेश कुमार मांझू, अनिल कुमार, राकेश कुमार, देवेन्द्र राहड़, महेश कुमार, पवन सिंह, सुभाष धानिया, सरोज, अनिता, करिश्मा, मनीषा, सजाद खान, दिनेश कुमार, मनवर खान, वासुदेव सिहाग, जयप्रकाश बाबल, रहीश खान आदि उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केन्द्र की घटना पर जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

-स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। निंबाहेड़ा उपखंड के ग्राम भागल, बिनोता स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र में सोमवार को छत का कुछ प्लास्टर गिरने से दुर्घटना हुई। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक श्रीचंद्र कृपलानी, निंबाहेड़ा उपखंड अधिकारी विकास पंचोली, जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। सभी बच्चे सुरक्षित हैं और स्थिति सामान्य है। एक बच्ची को हल्की सी चोट आई थी, बच्ची अभी स्वस्थ है एवं खेल कूद रही है। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने अभिलंब तीन सदस्यीय तकनीकी जांच कमेटी गठित की है। समिति में अधिशासी अभियंता (क्वालिटी कंट्रोल एंड मॉनिटरिंग), सहायक अभियंता (जिला परिषद) और कनिष्ठ अभियंता (समसा) को शामिल किया गया है। समिति को निर्देश दिए गए हैं कि वे स्थल का निरीक्षण कर समस्त तथ्यों की जांच करें और विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करें, ताकि आगे की कार्यवाही प्रभावी ढंग से की जा सके। उल्लेखनीय है कि यह नवीन स्वीकृत आंगनवाड़ी निंबाहेड़ा ब्लॉक के बिनोता पंचायत के प्राथमिक विद्यालय भागल में संचालित है, आंगनबाड़ी कक्ष का कमरा पूरी तरह सुरक्षित था, इसी परिसर में साथ ही स्कूल भी संचालित है इसके बावजूद यह घटना घटित हुई है जिसकी जांच करने हेतु adpc समसा को भी निर्देश दिए हैं।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित

-विकास कार्यों की गति एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करें- चौधरी

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक बुधवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री एवं अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी की अध्यक्षता में रीट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिले के विकास कार्यों, योजनाओं एवं बुनियादी ढांचे से जुड़े प्रकल्पों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम प्रकाश ने 37 विभागों के विभिन्न बिन्दओं में प्रगति की जानकारी दी। अधिकारियों को सांसद खेल महोत्सव के बैच लगाए गए। सांसद चौधरी ने कहा कि विभागीय अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रगति एवं पालना रिपोर्ट में अंकित स्थिति और वास्तविक धरातल पर स्थिति में कोई अंतर नहीं हो। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग एक सप्ताह के भीतर अद्यतन पालन रिपोर्ट प्रस्तुत करें। प्रत्येक तीन माह में समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाए। उन्होंने कहा कि दिशा की बैठकें विकास कार्यों के मूल्यांकन, खामियों की पहचान एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। चौधरी ने स्मार्ट सिटी परियोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि रामसेतु की एक भुजा की मरम्मत

एवं सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण कर उसे आमजन के लिए खोलना सुनिश्चित किया जाए। वर्तमान में जाम की स्थिति से नागरिकों को असुविधा हो रही है। उन्होंने सुभाष नगर फ्लाईओवर कार्य की गति बढ़ाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल में शहर के विभिन्न कॉलोनियों में जलभराव से हुई समस्या की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी समाधान की योजना बनाई जाए। शहर की सड़कों पर बने गड्ढों की मरम्मत दीपावली से पूर्व पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही किशनगढ़-मकराना चौराहे से रूपनगढ़ तक राज्य राजमार्ग की खराब स्थिति सुधारने को कहा। अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा किए गए विकास कार्यों की जानकारी जनप्रतिनिधियों के माध्यम से आमजन को मिलनी चाहिए। बूढ़ा पुष्कर से पुष्कर घाटी तक की सड़क का उपयोग मेले के दौरान बढ़ जाता है। अतः इस सड़क की तत्काल मरम्मत कराएं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को सर्विस रोड़ों की मरम्मत, बंद नालों की सफाई और सुरक्षा संबंधी कार्य तत्परता से करने को कहा। विधायक रामस्वरूप लांबा ने कानाखेड़ी ग्राम के निकट नाले के निर्माण की आवश्यकता बताने पर सांसद ने अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सराधना स्थित गैस बॉटलिंग प्लांट के निकट सर्विस लेन पर खड़े वाहनों से हो रहे जाम व संभावित हादसों की रोकथाम के लिए ओपन कट बंद करने और यातायात सुगम बनाने के निर्देश भी दिए। राजमार्गों पर अवैध रूप से वाहन खड़ा करने एवं जाम लगने के लिए जिम्मेदार कारकों पर नियमानुसार कार्यवाही होनी चाहिए।

स्वतंत्र और निष्पक्ष होंगे चुनाव - तोमर

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने कहा कि जिले के अंता विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव आदर्श आचार संहिता की पालना करते हुए पूरी तरह स्वतंत्र व निष्पक्ष तरीके से संपादित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिले में चुनाव को लेकर तैयारियों को समयबद्ध पूरा कर लिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी तोमर ने मंगलवार को मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि विधानसभा उपचुनाव में 13 अक्टूबर को निर्वाचन की अधिसूचना जारी की जाएगी। 21 अक्टूबर तक नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किए जाएंगे, जिनकी 23 अक्टूबर को संवीक्षा की जाएगी। अभ्यर्थी 27 अक्टूबर तक नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 11 नवम्बर को तथा मतगणना 14 नवम्बर को होगी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन और मतदान को सुगम बनाने के लिए निर्वाचन आयोग की ओर से विभिन्न प्रकार के नवाचार किए जा रहे हैं। इसके तहत ईवीएम की बैलेट मशीन पर बैलेट पेपर रंगीन लगाया जाएगा ताकि मतदाता अभ्यर्थियों की सहजता से पहचान कर सकें। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी एवं मतदाता-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से 29 नई पहलें की हैं। मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर मोबाइल जमा सुविधा शुरू की गई है तथा प्रत्येक केंद्र पर अधिकतम 1,200

मतदाताओं की सीमा तय की गई है ताकि भीड़ कम हो। राजनीतिक पार्टियों के बूथ मतदान केंद्र से 100 मीटर की दूरी तक सीमित रहेंगे। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि अंता विधानसभा क्षेत्र में 1 अक्टूबर 2025 तक कुल 2,27,563 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 1,16,405 पुरुष, 1,11,154 महिला, 2,109 दिव्यांग एवं 4 अन्य मतदाता सम्मिलित हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा कुल 268 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जो 198 भवनों में स्थापित होंगे। इनमें 156 भवनों में 1 केंद्र, 54 भवनों में 2 केंद्र, 19 भवनों में 3 केंद्र और 1 भवन में 4 केंद्र होंगे। जिले में वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में 80.35 प्रतिशत तथा 2024 लोकसभा चुनाव में 69.67 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। मतदान प्रतिशत में और वृद्धि के लिए कारगर गतिविधियां की जा रही हैं। सभी मतदान केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, रैंप, व्हीलचेयर, प्रकाश व्यवस्था और मतदाता सहायता केंद्र जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। तोमर ने कहा कि आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों पर निगरानी रखने के लिए नियंत्रण कक्ष 24 घंटे निगरानी रखेगा। जहां पर कोई भी व्यक्ति शिकायत दे सकेगा। सी विजिल एप पर भी शिकायत दर्ज की जा सकेगी। निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव के लिए व्यापक सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। क्षेत्र के संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान कर ली गई है। पुलिस बल, फ्लाइंग स्क्वाड, स्थैतिक निगरानी दल, व्यय निगरानी दल, वीडियोग्राफी दल एवं मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी सक्रिय रूप से कार्य करेंगी। अवैध शराब, नकदी, उपहार सामग्री एवं अन्य प्रलोभनों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट व सोशल मीडिया पर भी लगातार निगरानी रखी जाएगी। पैड न्यूज व भ्रामक समाचारों के मामलों में कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु, उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल, रिटर्निंग अधिकारी अंता हवाई सिंह यादव, सहायक निदेशक जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा, सहायक जनसंपर्क अधिकारी मोहनलाल आदि उपस्थित थे।

इनरव्हील क्लब बारां द्वारा महात्मा गांधी स्कूल में मार्शल आर्ट प्रशिक्षण आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब बारां की ओर से महात्मा गांधी गवर्नमेंट स्कूल, मिर्जापुर में मार्शल आर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्लब की अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने बताया कि संस्था निरंतर समाजहित में ऐसे उपयोगी कार्यक्रम करवाती रही है, जिससे विशेषकर बच्चों और छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास व आत्मरक्षा की भावना विकसित हो सके। कार्यक्रम की शुरुआत क्लब सचिव सीमा सिंह द्वारा इनरव्हील प्रार्थना से की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के लगभग 300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने इस प्रशिक्षण का लाभ लिया। प्रशिक्षकों ने बताया कि मार्शल आर्ट स्वयं सुरक्षा का सबसे सशक्त माध्यम है, जिससे विद्यार्थी किसी भी विपरीत परिस्थिति में आत्मरक्षा कर सकते हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से क्लब आईएसओ बिंदु मारू, पूर्व अध्यक्ष सीमा अग्रवाल एवं शिल्पा गर्ग भी उपस्थित रहीं। विद्यालय के स्टाफ के सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा।

मीडिया की भूमिका पर कार्यशाला व संवाद कार्यक्रम आयोजित

-सुरक्षा, करुणा, जागरुक जानकारी व तथ्य आधारित रिपोर्टिंग की जानकारी दे

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर कार्यालय के जिला परिषद सभागार में मंगलवार को वन विभाग राजसमंद व जोजावर रेंज द्वारा मानव वन्यजीव सहअस्तित्व विषय पर मीडिया के साथ कार्यशाला व संवाद का आयोजन किया गया। उपवन संरक्षक राजसमंद कस्तूरी प्रशांत ने बताया कि मानव व वन्यजीव सहअस्तिव्व एक ही चक्र के दो पहलू है इसमें मीडीया की अहम भूमिका है। उपवन संरक्षक राजसमंद ने कहा कि मानव व वन्यजीव का सहअस्तित्व है व इनमें क्षत्रुवत व संघर्ष के व्यवहार ना होना चाहिये। उन्होंनें कहा कि मानव व वन्यजीव सहअस्तिव के चक्र में मीडीया की महत्वपूर्ण भूमिका है। उल्लेखनीय है कि 2 से 8 अक्टूबर तक वन्यजीव सप्ताह मनाया जा रहा है जिसमें एक नवाचार के तहत मीडीया के साथ चर्चा व संवाद कर जानकारी प्रदान की जा रही है कि वन्यजीवों से सम्बन्धी समाचार रिर्पोटिग के समय किस प्रकार से समाचार में क्या करना चाहिये व क्या नही ।

मीडिया की भूमिका-

कार्यशाला में बताया गया कि जिम्मेदार रिपोर्टिंग के सिद्धांत तथ्य आधारित और संतुलित समाचार सनसनीखेज भाषा और भ्रामक तस्वीरों से बचना स्थानीय संदर्भ और संवेदनशीलता को ध्यान में रखना , मीडिया की सकारात्मक भूमिकाएँ आपदा/संघर्ष के समयः बचाव दल और संसाधनों का समन्वय दीर्घकालिक स्तर परः शिक्षा, जन-जागरूकता और सह-अस्तित्व का संदेश वैज्ञानिक दृष्टिकोणः अनुसंधान, आंकड़ों

और विशेषज्ञ मतों को उजागर करना , नकारात्मक रिपोर्टिंग के दुष्परिणाम जन-आक्रोश और हिंसक प्रतिक्रिया वन्यजीवों के प्रति शत्रुता, व्यावहारिक अभ्यास स्टडीः किसी संघर्ष की घटना की मीडिया कवरेज का विश्लेषण कैसे हो के बारे में बताया गया। साथ सही बनाम गलत हेडलाइन/फोटो का तुलनात्मक अभ्यास ग्रुप डिस्कशन , रिपोर्टर ऐसे मामलो में रिर्पोटिंग कैसे रिपोर्ट करेंगे?" सहयोग और नेटवर्किंग स्थानीय प्रशासन, वन विभाग और मीडिया के बीच समन्वय समुदाय की भागीदारी और नागरिक रिपोर्टिंग , सोशल मीडिया की जिम्मेदार उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यशाला में मीडीयाकर्मियो को इस प्रकार की कवरेज करते समय आदमखोर , खूंखार आदि शब्दों के प्रयोग से बचना चाहिये व तथ्यात्मक वास्तविक , सूचना एंव जानकारी लोगों के बीच ना जाये जिससे किसी प्रकार की सनसनीखेज व फेक या ऐसी रील नही बनायी जानी चाहिये जो निराधार हो व इससे भय का माहौल उत्पन्न होता हो। इस अवसर पर वन्यजीवों के विभिन्न प्रकार प्रजातियों के बारे में जिनमे भेडिया, भालू, तेन्दआ, चीता, लपर्ड आदि के बारे में जानकारी दी गयी। साथ ही इनसे संबधित जो भा्रन्तिया है उनके बारे में वास्तविक तथ्यो के बारे में व लोगों का परसेप्शन को चेंज करना का मोटिव है जिसमे किसी भी घटना के पीछे के कारण को बताये जाने पर जोर दिया। उन्होने चर्चा के दौरान मीडिया की सकारात्मक भूमिकाओं पर विशेष जोर दिया गया। कार्यशाला को खुले सत्र की तरह रखा गया व जिसमें मीडीयाकर्मीयो से जानकारी प्रश्नों को भी लिया गया। इस अवसर पर उपवन संरक्षक पाली बाला मुरगन ने भी अपने अनुभवो को बताया। इस अवसर पर मीडीयाकर्मी शेखर राठौड़, ओमप्रकाश चतुर्वेदी, भारत भूषण, ओम टेलर, श्रवण भाटी, रविन्द्र सोनी, दिनेश चौहान, मो. यासिन, सुरेश हेमनानी, संदीप राठौड़, विशारद जोशी, मुकेश राजा, गोपाल माली, मुकेश सोनी, शरद भाटी, व वन विभाग तखतगढ़ एसीएफ प्रियवृतिसिंह, सुमेरपुर एसीएफ ऋषिराजसिंह, पाली एसीएफ शाहिल, आरओ विजेन्द्रसिंह डाबी, देसूरी आरओ अरविन्दसिंह, सादडी आरओ जितेन्द्रसिंह, फ्लाईंग इंचार्ज राजसमंद सत्यानंद गरासिया, वनपाल जोजावर तुलसीराम एवं समस्त स्टॉफ रैंज जोजावर, देसूरी, सादड़ी मौजूद रहे।

जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों की ली बैठक

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवर लाल ने बुधवार को जिला वृत्त अधिकारियों की बैठक जोनल अभियंता कार्यालय में ली। उन्होंने वृत्तवार उपखंडों के टी एंड डी लॉसेज़ तथा राजस्व प्राप्ति की समीक्षा की। निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में आ रही विभिन्न समस्याओं पर संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की। प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए फील्ड स्तर पर सक्रिय रूप से कार्य करें। टीम भावना से काम करने और नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से बेहतर परिणाम हासिल करने को कहा। उन्होंने कृषि कनेक्शन जारी करने के संबंध में चर्चा की। लंबित कृषि कनेक्शनों पर असंतोष व्यक्त किया। प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को रबी सीजन से पूर्व सभी लंबित कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए। कनेक्शन से जुड़ी आवश्यक सामग्री की

उपलब्धता से जुड़ी जानकारी ली तथा समय पर सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान आगामी सीजन में संभावित वोल्टेज समस्याओं पर चर्चा की गई। उन्होंने प्रसारण निगम के अधीक्षण अभियंता को निर्देश दिए कि पिछले सीजन में आई वोल्टेज संबंधी समस्याओं को इस बार न्यूनतम स्तर तक सीमित किया जाए। उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्त आपूर्ति प्रदान करने तथा समय पर नए कनेक्शन जारी करने के लिए सभी फील्ड अभियंताओं को निर्देशित किया। विजिलेंस लक्ष्यों की पूर्ति नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए विजिलेंस टीम बनाकर उपभोक्ताओं से बकाया वसूली की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग कनेक्शनों के संबंध में चर्चा की गई। प्रबंध निदेशक ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र ऐसे कनेक्शन प्रदान करने के निर्देश दिए। स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं में फैली भ्रांतियों को दूर करने के निर्देश दिए। प्रबंध निदेशक ने निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के फायदों के बारे में जागरूक किया जाए तथा इस संबंध में सही जानकारी आमजन तक पहुँचाई जाए।

पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े चोटिला मेले की तैयारियों जोरो शोरों पर

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। आगामी दिनों में चोटिला मेला बड़ी शानो शौकत के साथ मनाया जाएगा ।जिसकी तैयारियां चल रही है जोरो और शोरों पर प्रवक्ता हसन भाटी ने बताया है कि दीपावली पर्व के दूसरे दिन चोटिला मेले का आगाज होगा जो तीन दिन तक चलेगा पहले दिन तकरीरी कार्यक्रम आयोजित होगा दूसरे दिन कव्वाली का प्रोग्राम आयोजित होगा तीसरे दिन दरगाह की रस्में होगी चोटिला मेले की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारी जिला कलेक्टर पाली, जलदाय विभाग पाली, विद्त विभाग पाली, फायर बिग्रेड, पुलिस प्रशासन, हॉस्पिटल सुविधा आदि को अवगत कराया गया तैयारियों को लेकर पाली जिला मुस्लिम समाज सदर हकीम भाई, पार्षद मेहबूब भाई टी, चोटिला दरगाह कमेटी के सदर अमजद अली रंगरेज, मेला संजोयक नूर अली रंगरेज, सेकेट्री हाजी तुराब अली रंगरेज, केशियर बाली हाजी साहब, शाहिद पीनू, आबिद भाई चढ़वा, तारिक भाई चूड़ीघर, रफीक अब्बासी, और उनकी पूरी टीम जुटी हुई है।

प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेला सोमवार 13 अक्टूबर को

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के निर्देशानुसार राजकीय आईटीआई माखुपुरा में सोमवार 13 अक्टूबर प्रातः 10 बजे से प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के उपनिदेशक (प्रशिक्षण) एवं उपशिक्षुता सलाहकार अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि मेले का उद्धेश्य शिक्षुता प्रशिक्षण को बढ़ावा देना हैं। एक वर्ष के शिक्षुता प्रशिक्षण में प्रशिक्षण के साथ 9600 रूपये मासिक वृत्तिका भी देय होती है। संस्थान के प्लेसमेंट एवं शिक्षुता सेल के प्रभारी ओम प्रकाश शर्मा एवं प्रमोद कुमार कांकाणी ने बताया कि कारपेन्टर, फिटर, मशीनिष्ठ, टर्नर, इलेक्ट्रीशियन, वायरमैन, कोपा, वेल्डर, ऑटोमोबाइल आदि सभी व्यवसायों से आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी अपने बायोडाटा एवं मूल प्रमाण पत्रों की प्रतिलिपि लेकर उपस्थित होना होगा। नियोजित हुए अभ्यर्थियों को अनुभव एवं योग्यता अनुसार कम से कम 10 हजार से 25 हजार रूपये का मासिक वेतन ऑफर किया जाएगा। संस्थान की उपाचार्य गामिनी शर्मा ने बताया कि मेले में आईटीआई उत्तीर्ण छात्र एवं छात्राओं के अलावा 10 वीं, 12 वीं तथा ग्रेजुएट उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी भाग लेकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना प्रारंभ

-युवाओं को रोजगार के नए अवसर होंगे प्राप्त

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। राज्य में युवाओं को रोजगार के नये अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना प्रारंभ की गई हैं। योजना का उद्देश्य स्वयं के उद्यम की स्थापना एवं स्थापित उद्यम के विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण हेतु कम लागत पर ऋण उपलब्ध कराकर रोजगार के नवीन अवसरों का सृजन करना है। इससे न केवल उद्यम व रोजगार के लिए सुगम ऋण की उपलब्धता संभव हो सकेगी, अपितु इसके उपरान्त उन्हे उद्यम के अन्य चरणों हेतु केन्द्रीय/राज्य सरकार की अन्य प्रकृति की योजनाओं का बेहतर लाभ भी प्राप्त हो सकेगा। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र के महा प्रबंधक संजय भारद्वाज ने बताया कि योजनान्तर्गत वित्तीय संस्थानों के माध्यम से विनिर्माण एवं सेवा आधारित उद्यम के लिए ऋण उपलब्ध करवाया जायेगा, जिस पर राज्य सरकार द्वारा मार्जिन मनी तथा ब्याज अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी। नये स्थापित होने वाले उद्यम के साथ-साथ पूर्व में स्थापित उद्यम भी विस्तार/विविधीकरण/आधुनिकीकरण इत्यादी हेतु लाभान्वित हो सकेंगे। विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र के लिए अधिकतम ऋण राशि की सीमा 2 करोड़ रूपये है।

जिला कलक्टर ने किया मतदान सामग्री वितरण केन्द्र भवन का निरीक्षण

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने बुधवार 08 अक्टूबर को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्थापित होने वाले मतदान सामग्री वितरण व मतगणना केन्द्र का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को चुनाव कार्यक्रम के सुगम संचालन व सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। जिला निर्वाचन अधिकारी तोमर अधिकारियों के साथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय पहुंचे जहां उन्होंने बाहरी परिसर में बेरिकेटिंग तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निर्देशित किया। साथ ही महाविद्यालय भवन के अंदरूनी

भाग का अवलोकन करते हुए ईवीएम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु, उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल, सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, रिटर्निंग अधिकारी हवाई सिंह यादव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

मतदान दल कार्मिकों का किया प्रथम रेण्डमाईजेशन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा उपचुनाव के तहत मतदान दलों में नियोजित होने वाले कार्मिकों का बुधवार को कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रथम रेंडमाइजेशन किया गया। जबकि ईवीएम मशीनों का रेण्डमाईजेशन गुरूवार को किया जाएगा। जिसमें कुल 484 ईयू, बीयू व वीवीपैट का चिन्हीकरण होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की मौजूदगी में विधानसभा क्षेत्र अंता में उपचुनाव के लिए मतदान दलों के कार्मिकों का रेण्डमाईजेशन मिनी सचिवालय स्थित एनआईसी कक्ष में किया गया। रेण्डमाईजेशन में महिला व दिव्यांग बूथ सहित कुल 268

पोलिंग बूथों पर नियोजित होने वाले माइक्रो ऑब्जर्वर, वीडियो ग्राफर ऑब्जर्वर सहित मतदान दल कार्मिकों का रेण्डमाईजेशन के माध्यम से चिन्हीकरण करते हुए उन्हें प्रथम प्रशिक्षण के आदेश जारी किए गए। प्रथम प्रशिक्षण 14 से 16 अक्टूबर तक पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में होगा। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल, मतदान दल प्रकोष्ठ प्रभारी व सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, सहायक निदेशक जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा, एनआईसी उप निदेशक मनीष शर्मा मौजूद थे।

ईवीएम का किया प्रथम रेण्डमाईजेशन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा उपचुनाव के तहत क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाली ईवीएम मशीनों का कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से गुरुवार को प्रथम रेंडमाइजेशन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की मौजूदगी में विधानसभा क्षेत्र अंता में उपचुनाव के लिए उपयोग में ली जाने वाली ईवीएम मशीनों का रेण्डमाईजेशन मिनी सचिवालय के सभागार में किया गया। रेण्डमाईजेशन में ईवीएम की बेलट यूनिट, कन्ट्रोल यूनिट व वीवीपैट मशीनों को शामिल करते हुए कुल 268 पोलिंग बूथों के लिए 348 बेलट व कंट्रोल यूनिट का चिन्हीकरण किया गया है जिनमें से 80 आरक्षित रहेंगी। जबकि वीवीपैट की 375 मशीनों का चिन्हीकरण किया गया है। जिनमें से 107 को रिजर्व रखा जाएगा। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल, अतिरिक्त जिला सूचना विज्ञान अधिकारी पूनम पाटनी सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान के उर्स की तैयारियो को लेकर बेठक आयोजित

-उर्स 12 अक्टूबर रविवार को

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। अल इस्हाकिया अल अशफाकिया ट्रस्ट के अध्यक्ष हाजी मोइनुद्दीन अशरफी ने बताया कि हजरत मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान का 12 वां उर्स मुबारक 12 अक्टूबर को दरगाह परिसर में आयोजित होगा। यह सालाना उर्स चोखा दरगाह स्थित हजरत अशफाक हुसैन नईमी रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह परिसर में आयोजित होता है। उर्स में राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश से मुरीद आते हैं। ट्रस्टी मोहम्मद सदीक राजू और मोहम्मद आरिफ ने बताया कि उर्स मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान में इस बार पीर बापू गुलाम हुसैन जिलानी साहब सुजा शरीफ, मोलाना मुहम्मद कलीम अशरफ जिलानो उत्तर प्रदेश, मोलाना मुहम्मद सईद नूरी मुम्बई, मौलाना शमसुद्दीन मकराना, मोलाना तौसीफ रजा, डॉ. हफिजुर रहमान दिल्ली सहित कई स्थानीय ओलमा ए अहले सुन्नत

शिरकत करेंगे। मीडिया प्रभारी साजिद खान ने बताया कि इस बेठक में शौकत खान, इस्माइल बैग, मोहम्मद आरिफ, परवेज खान, मोहम्मद इरफान कुरैशी, रसूल बख्श, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद जाकिर, मौलाना रज्जब अली, नियामत पठान, फजलुद्दीन छिपा, सद्दीक राजु, समाजसेवी जावेद हुसैन, आरिफ मारसाब, उमर गोल्डन, साजिद आदिल, मोहम्मद जाकिर, मोबिन कादरी, जावेद जाय, साबिर अली, वसीम आफरिदो, मुख्तियार चिश्ती, फजलुद्दीन, पप्पू खान, हबीब खान, मुश्ताक अहमद, शोएब, साबिर हुसैन, मोहम्मद साजिद, राजू नूरी, आसिफ नूरी, इमरान कुरेशी, जुल्फिकार, रमजान अली सहित कई समाजसेवी, मुरीद ओर अकीदतमंद उपस्थित रह।

भाजपा द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत महिला मोर्चा एवं युवा मोर्चा सम्मेलन हेतु प्रभारी संयोजक, सह संयोजकों की नियुक्ति

-जिलाध्यक्ष की सहमति से जिला मोर्चा संयोजक वैष्णव द्वारा की गई नियुक्ति

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार आगामी दिनों में जिला सवाईमाधोपुर जिला स्तरीय महिला मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन एवं युवा मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। उक्त आयोजनों के सफल क्रियान्वयन हेतु भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की सहमति से जिला मोर्चा संयोजक जमनालाल वैष्णव द्वारा महिला मोर्चा जिला कार्यकर्ता सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु कार्यक्रम प्रभारी प्रधान मंजू गुर्जर, संयोजक चेतना मीना एवं सह संयोजक पद पर सावित्री शर्मा, एडवोकेट उर्मिला सिंह को नियुक्त किया गया है। साथ ही युवा मोर्चा द्वारा आयोजित जिला कार्यकर्ता सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु कार्यक्रम प्रभारी सभापति शिवरतन अग्रवाल,जिला संयोजक विकास सैनी एवं सह-संयोजक पद पर अतुल मुद्गल, डॉ. गौरव मंगल को संयुक्त रूप से नियुक्त किया गया है। उक्त नियुक्तियों के साथ ही जिलाध्यक्ष गुर्जर एवं मोर्चा जिला संयोजक वैष्णव द्वारा नवनियुक्त समस्त पदाधिकारियों से सम्मेलन की तैयारियों को लेकर अतिशीघ्र मंडल प्रभारी, मंडल संयोजक, सह संयोजकों की नियुक्ति कर बैठक आयोजित कर सफल आयोजन की रुपरेखा तैयार करने की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

दीनदयाल शर्मा की बाल पुस्तक 25 बाल कहानियाँ का हुआ लोकार्पण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान साहित्य परिषद हनुमानगढ़ की ओर से हिंदी राजस्थानी के वरिष्ठ बाल साहित्यकार दीनदयाल शर्मा की बाल साहित्य कृति 25 बाल कहानियाँ का सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय हनुमानगढ़ में आज सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी राजपाल लंबोरिया, सूचना सहायक भोजराज यादव एवं सूचना सहायक दीपक कुमार ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर राजपाल ने कहा कि आज के समय में बाल साहित्य की बहुत आवश्यकता है। साहित्य बच्चों को भाषा के विभिन्न रूपों और साहित्यिक तकनीक से परिचित कराता है। जिससे उनकी भाषा और साहित्यिक कौशल में वृद्धि होती है, उन्होंने कहा कि बाल साहित्य में अक्सर नैतिक मूल्य और शिक्षाप्रद कहानीयाँ होती है जो बच्चों को सही और गलत के बीच का अंतर समझने में मदद करती है। राजपाल ने कहा कि आज के माहौल में लोग जहां इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया से जुड़े हुए हैं, ऐसे में पुस्तक मेलों की बहुत आवश्यकता है। लोग पुस्तकों से जुड़े और उनसे ऊर्जा ग्रहण करें। कृति के लेखक दीनदयाल शर्मा ने बताया कि उनकी हिंदी व राजस्थानी में विभिन्न विषयों की अब तक 65 पुस्तके प्रकाशित हो चुकी है।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने जिला कारागृह का किया निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार विक्रम सिंह भाटी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) पाली द्वारा आज जिला कारागृह, पाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 130 बन्दी जिला कारागृह, पाली में निरूद्ध मिले। दौराने निरीक्षण सचिव भाटी द्वारा बन्दीगण से वार्तालाप कर कारागृह में भोजन, चिकित्सीय सुविधा, पेयजल, सफाई व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त कोई भी बन्दी निजी अधिवक्ता करने में असमर्थ हो अथवा विधिक सहायता के अभाव में बिना अधिवक्ता के कारागृह में निरूद्ध ना रहे, इस हेतु सचिव भाटी

द्वारा कारागृह में बन्दीगण को निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी गई। साथ ही ऐसे बन्दी जिनकी जमानत होने के उपरांत भी कारागृह में निरूद्ध हो इस संबंध में भी जानकारी ली गई तथा बंदियों को उनके प्रकरणों की स्थिति के बारे में बताया। सचिव भाटी द्वारा बंदियों से वार्तालाप कर समस्याओं के बारे में पूछा तथा यह भी सुनिश्चित किया गया कि 18 वर्ष से कम उम्र का कोई भी व्यक्ति जिला कारागृह में निरूद्ध न रहे। सभी बन्दी की ओपीडी के समय में स्वास्थ्य जांच की जाती है तथा इमरजेन्सी होने पर बन्दीगण को राजकीय बांगड़ अस्पताल पाली रेफर किया जाता है। दौराने निरीक्षण जोराराम कारापाल जिला कारागृह पाली, अल्ताफ हुसैन एवं सुश्री वैशाली व्यास जेल विजिटिंग लॉयर्स आदि उपस्थित रहे।

नायरा एनर्जी लिमिटेड द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान

-200 टीबी रोगियों को बांटे पोषण किट

पाली (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत पहल के अन्तर्गत इन दिनों पूरे राज्य में सघन निक्षय पोषण किट वितरण अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत स्वयंसेवी एवं सामाजिक संस्थाओं, दानदाताओं, भामाशाहों और आमजन को निक्षय मित्र बनकर उपचाराधीन टीबी रोगियों को पोषण एवं अन्य सहायता उपलब्ध करवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य टीबी रोगियों को उचित पोषण प्रदान करते हुए रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करने के साथ टीबी रोगियों को सामाजिक, आर्थिक एवं रोजगार परक कौशल उपलब्ध करवाना भी है। इसी कड़ी में जिला क्षय निवारण केन्द्र, पाली में निक्षय मित्र नायरा एनर्जी लिमिटेड ने रेडक्रॉस सोसायटी पाली के माध्यम से पाली शहर, पाली ग्रामीण एवम् रोहट के 200 टीबी रोगियों को पोषण सामग्री के किट वितरित किये गए। कार्यक्रम में रेडक्रास सोसायटी के सचिव

जिनेन्द्र जैन, उपाध्यक्ष मेघराज बम्ब, भूतपूर्व अध्यक्ष डॉ. जे.पी. उदावत, नायरा एनर्जी से मेनेजिग डायरेक्टर सचिन, पंकज कुमार, नीतू एवं जिला क्षय निवारण केन्द्र, पाली के समस्त कार्मिक उपस्थित रहे।

आप भी बने निक्षय मित्र-

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विकास मॉरवाल ने आमजन से अपील की है कि कॉरपोरेट सेक्टर, जनप्रतिनिधि, एनजीओ, सामाजिक संस्थाऐं, राजनीतिक पार्टिया व व्यक्तिगत निक्षय मित्र बनकर टी.बी. रोगियों को अतिरिक्त पोषण सहायता देकर उपचार परिणाम को सुधारने में मदद करें। निक्षय मित्र द्वारा गोद लिये गए क्षय रोगियों को अपने स्त्रोतों से पौष्टिक आहार न्यूनतम छः माह अथवा उपचार अवधि के पूर्ण होने तक (जो भी बाद में हो) प्रत्येक माह निक्षय पोषण किट दी जानी है । निक्षय मित्र बनने के लिए विभाग से सम्पर्क किया जा सकता है। कार्यक्रम के अन्त में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. उज़्मा जबीन द्वारा सभी उपस्थित अतिथियों, कार्मिकों व मरीजों का आभार व्यक्त किया गया।

केंद्रीय विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य परिचर्चा का हुआ आयोजन

-अपने मन की बात खुलकर अपनों से करें साझा- डॉ. मित्तल

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तत्वाधान मे विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के तहत केंद्रीय विद्यालय धौलपुर में 'युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य का महत्त्व' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस दौरान मनो विशेषज्ञ डॉ सुमित मित्तल ने मानसिक स्वास्थ्य परिचर्चा में छात्र -छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्रदान की। मनोचिकित्सक डॉ. मित्तल ने कार्यशाला में 14 से 18 वर्ष के युवाओं में शैक्षणिक तनाव, प्रतिस्पर्धा, परिजनों की अपेक्षाओं, सहपाथियो के दबाव, ऑनलाइन गेमिंग, सोशल मीडिया के अधिक उपयोग आदि से अवसाद, एंग्जायटी, तनाव, मोबाइल एवं ड्रग एडिक्शन आदि मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ रही है जिन्हें समय पर पहचान एवं उचित

उपचार से रोका जा सकता है। डॉ. मित्तल ने कहा कि आज सबसे बड़ी कमी सकारात्मक माहौल की है। जिसमें बच्चे अपने मन की बात को अपने माता पिता या शिक्षक से खुलकर नहीं कर पाते। जिसकी वजह से उनकी भावनाएं दबी रह जाती है। जो मानसिक अवसाद का कारण बनती है। परिजनों को बच्चों पर अनावश्यक दबाव बनाने से बचना चाहिए। उनको यह विश्वास दिलाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बढ़कर नहीं है। बच्चों को परिणाम की चिंता नहीं करते हुए प्रयासों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने टेली मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 की जानकारी प्रदान करते हुए बताया की किसी भी स्टूडेंट्स को कोई मानसिक या भावनात्मक समस्या हो तो घर बैठे कॉल कर परामर्श ले सकता। विद्यालय प्रधानाचार्य मन्मथ कुमार ने विधार्थियो से अनुशासन मे रहते हुए मोबाइल के सदुपयोग की बात कही, मोबाइल आज के समय की बहुत बड़ी मानसिक स्वास्थ्य समस्या बन गई है जिसे समय रहते नियंत्रण मे करना जरुरी है।

अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नायक 11 अक्टूबर से चूरू दौरे पर

चूरू (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नायक 11 अक्टूबर, 2025 से चूरू दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोग अध्यक्ष नायक 11 अक्टूबर को सवेरे 11.20 बजे सुजानगढ़ से राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण/ शहरी सेवा शिविर में चूरू जिले के ग्रामीण / शहरी सेवा शिविरों का दौरा करेंगे। सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कोलासर, भीमसर, पारेवड़ा व साजनसर ग्रामीण सेवा शिविरों का दौरा करेंगे और इसके बाद तालछापर गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। इसके बाद 12 अक्टूबर को सवेरे 08 बजे सुजानगढ़ से प्रस्थान कर सवेरे 09.30 बजे चूरू पहुंचेंगे। 13 अक्टूबर को चूरू तथा 14 अक्टूबर को सरदारशहर के शहरी/ग्रामीण सेवा शिविरों का दौरा करेंगे। इस दौरान 12 से 14 अक्टूबर तक सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। इसी क्रम में 15 अक्टूबर को रतनगढ़ एवं 16 अक्टूबर को बीदासर व सुजानगढ़ के शहरी/ ग्रामीण सेवा शिविरों का दौरा करेंगे। इस दौरान तालछापर गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। 17 अक्टूबर को साण्डवा, बीदासर के ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन कर सांय 05 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

अल्पसंख्यक समुदाय की छात्राएं कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना

-31 अक्टूबर तक करें आवेदन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । राज्य सरकार द्वारा संचालित कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना अन्तर्गत शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए अल्पसंख्यक समुदाय की मेधावी छात्राओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इच्छुक छात्राएं 31 अक्टूबर, 2025 तक नोडल विभाग की वेबसाइट https://hte.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन आवेदन कर सकती हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मनोज कुमार मीना ने बताया कि इस योजना के माध्यम से राज्य सरकार का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय की प्रतिभाशाली छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि योजना से संबंधित सभी नियम, दिशा-निर्देश एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि छात्राएं अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से लॉगिन कर सिटिजन एप, जी2जी पोर्टल के स्कॉलरशिप (सीई, टीएडी, माईनोरिटी) आइकन पर क्लिक करके आवेदन कर सकती हैं। आवेदन पत्र भरने से पूर्व संबंधित छात्रा/अभिभावक योजनाओं से संबंधित नियम एवं संलग्न किये जाने वाले दस्तावेजों एवं दिशा-निर्देशों की भली-भांति अध्ययन कर ही आवेदन करे। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए छात्रा के पास जन आधार कार्ड होना आवश्यक है तथा इसमे भरी हुई सूचनाएं यथा जाति, मूल-निवास, बैंक डिटेल आदि अपडेट होना आवश्यक है।

श्री पुष्कर मेला 2025 मेला अवधि के दौरान रहेगी शराब की दुकानें बन्द

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अन्तर्राष्ट्रीय पुष्कर मेला 2025 के दौरान लोक शान्ति बनाए रखने के लिए चयनित शराब की दुकानों को मेला अवधि के दौरान बन्द रखा जाएगा। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने बताया कि आगामी 2 नवम्बर को प्रातः काल से 5 नवम्बर तक इन दुकानों एवं गोदामों को बन्द रखने के निर्देश दिए गए है। ग्राम पंचायत बांसेली की अनुज्ञाधारक अनिता नरचल, ग्राम पंचायत गनाहेड़ा दुकान संख्या एक की अनुज्ञाधारक अनिता टांक, ग्राम पंचायत गनाहेड़ा दुकान संख्या 2 के अनुज्ञाधारक शैतान सिंह रावत, ग्राम पंचायत गनाहेड़ा दुकान संख्या 3 की अनुज्ञाधारक नीरू कंवर एवं ग्राम पंचायत कानस के अनुज्ञाधारक आनन्दनाथ की दुकानें मेला अवधि के दौरान बन्द रहेंगी।

ग्रामीण सेवा शिविरों का 9 से 11 अक्टूबर को आयोजन होगा

पाली (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के निस्तारण व उनके कामों को शीघ्रता से सम्पादित करने व उन्हें लाभान्वित करने के लिये ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत 9 अक्टूबर को रोहट की खारड़ा, ढाबर, सोजत की अटबड़ा, मण्डला, मारवाड़ जंक्शन की नरसिंहपुरा, बिठौडा कला, देसूरी की डायलाना कलां, बागोल, रानी की बालराई, माण्डल, बाली की पीपला, पादरला एवं सुमेरपुर की बसंत व कोसेलाव ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित होंगे। इसी प्रकार 10 अक्टूबर को पाली की हेमावास, गुरडाई, रोहट की चोटिला, बिठू, सोजत की बोयल, बासना, मारवाड़ जंक्शन की बासनी जोजावर, ईसाली, देसूरी की मगरतलाव, कोट सोलंकीयान, रानी की सिवास, पिलोवनी, बाली की बीजापुर, भाटून्द एवं सुमेरपुर की ढोला व अनोपपुरा ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित होंगे। 11 अक्टूबर को पाली की डेण्डा, दयालपुरा, सोजत की खोखरा, सांडिया, मारवाड़ जंक्शन की गुडा केशरसिंह, गुडा रामसिंह, देसूरी की पनोता, आना, रानी की भादरलाउ, देवली पाबूजी, बाली की बिसलपुर, सेणा एवं सुमेरपुर की बिरामी व लापोद ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित होंगे।

बाहुबली: द एपिक 31 को होगी रिलीज

मुंबई। बाहुबली भारतीय सिनेमा की एक कल्ट फ्रेंचाइजी है, जिसकी दोनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। बाहुबली: द बिगनिंग और बाहुबली 2: द कन्क्लूजन दोनों ही फिल्में आज भी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। अब निर्देशक एसएस राजामौली 'बाहुबली: द एपिक' लेकर आ रहे हैं, जो 31 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। बाहुबली के निर्माता शोबू यार्लागड्डा ने बताया कि यह किरदार शुरू से ही प्रभास को ध्यान में रखकर लिखा गया था और किसी अन्य अभिनेता को कोई ऑडिशन या प्रस्ताव नहीं दिया गया था। यह एक ऐसा खुलासा है जो उन फैंस को आश्चर्यचकित कर सकता है।

लाइफ Style

नोरा

'दिलबर की' में जबरदस्त डांस मूव्स

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फिल्म 'थामा' का नया गाना 'दिलबर की आंखों का' रिलीज हो चुका है। इस गाने में नोरा फतेही ने जबरदस्त डांस मूव्स से फैंस का दिल जीत लिया है। रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'थामा' का हाल ही में गाना 'तुम मेरे न हुए' रिलीज हुआ था। वहीं, मंगलवार को निर्माताओं ने फिल्म का एक नया गाना 'दिलबर की आंखों का' रिलीज कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है।

मंगलवार को मैडॉक फिल्म्स ने अगामी फिल्म 'थामा' का एक नया गाना 'दिलबर की आंखों का' रिलीज कर दिया है। इस गाने के आने से साफ हो गया है कि अब नोरा फतेही भी मैडॉक्स हॉरर फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। 'थामा' फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना 'दिलबर की आंखों का' रिलीज कर फैंस को खुश कर दिया है। इस गाने के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, 'दिवाली और भी ज्यादा गरम हो गई। 21 अक्टूबर को, दुनिया भर के सिनेमाघरों में थामा के साथ एक खूनी प्रेम कहानी लेकर आ रहा है।' नोरा फतेही के जबरदस्त डांस मूव्स पर कई फैंस ने कमेंट कर अपनी राय पेश की है। एक फैन ने लिखा, 'हे भगवान सच में फिर से आग लग गई', एक और फैन ने लिखा, 'रानी वापस आ गई है ', तो वहीं कई फैंस ने नोरा के इस डांस को तमन्ना भाटिया के डांस से कंपेयर किया है। एक फैन ने लिखा, 'वही डांस, वही मूव्स, वही एक्सप्रेशन, वही कपड़े सब कुछ एक जैसा'। एक फैन ने लिखा, 'धमाकेदार', एक और फैन ने लिखा, 'नोरा का हर कदम आग।' फिल्म 'थामा' एक रोमांटिक कॉमेडी हॉरर प्रेम कहानी है। इसका निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है।

हॉलीवुड मसाला

जेम्स के पोस्टर्स से की छेड़छाड़

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड से चौंका देने वाली खबर सामने आ रही है। अमेजन प्राइम वीडियो ने हाल ही में जेम्स बॉन्ड की क्लासिक फिल्मों के पोस्टर्स से गन यानी बंदूकें हटा दी हैं। यह बदलाव देखने के बाद सोशल मीडिया पर फैन्स ने गुस्सा जाहिर किया और कहा कि यह संस्कृति के प्रतीक के साथ खिलवाड़ है। पिछले हफ्ते अमेजन प्राइम वीडियो यूके ने अपनी वेबसाइट पर जेम्स बॉन्ड सीरीज की नई प्रमोशनल पोस्टर इमेजेस रिलीज की थीं।

बॉक्स ऑफिस रिजल्ट्स पर हमारा कंट्रोल नहीं होता...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के सुपरस्टार ड्वेन जॉनसन के फैंस को उनकी नई फिल्म 'द स्मैशिंग मशीन' से काफी उम्मीदें थीं। लेकिन, ओपनिंग वीकेंड पर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर वह कमाल नहीं दिखा पाई जिसकी उम्मीद की जा रही थी। लगभग 50 मिलियन डॉलर यानी 415 करोड़ के बजट में बनी इस खेल-आधारित ड्रामा फिल्म ने पहले तीन दिनों में सिर्फ 6 मिलियन डॉलर यानी 4.98 करोड़ की कमाई की। । बॉक्स ऑफिस के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद ड्वेन जॉनसन ने अपने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा- 'दिल की गहराइयों से धन्यवाद उन सभी को जिन्होंने 'द स्मैशिंग मशीन' देखी। बॉक्स ऑफिस रिजल्ट्स पर हमारा कंट्रोल नहीं होता, लेकिन हम अपने परफॉर्मेंस पर पूरा भरोसा रख सकते हैं। इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक जीवन-परिवर्तनकारी अनुभव रहा।'

मिर्जापुर: द फिल्म की शूटिंग शुरू की

मुंबई। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' पर बनी फिल्म 'मिर्जापुर: द फिल्म' की शूटिंग शुरू कर दी है। वे इसमें अपनी पॉपुलर भूमिका गजगामिनी 'गोलू' गुप्ता के रूप में लौट रही हैं। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शर्मा भी अपनी भूमिकाओं में वापस आ रहे हैं। श्वेता ने 'मिर्जापुर: द फिल्म' को लेकर कहा, 'गोलू मेरे लिए सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि साल से मेरी जिंदगी का साथी है। बड़े पर्दे पर उसका सफर देखना कमाल का और सपने जैसा लग रहा है।' श्वेता वाराणसी को अपना 'दूसरा घर' मानती हैं। उन्होंने बताया कि उनके कॅरियर के कई प्रोजेक्ट इस शहर से जुड़े हैं, जैसे नीरज घायवान की फिल्म मसान, शो एस्केप लाइव और कालकूट। श्वेता ने कहा, यह शहर मुझे हमेशा बुलाता है।

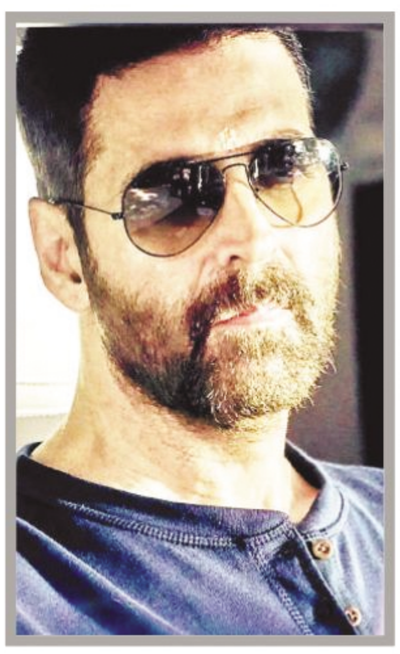

हैवान में निगेटिव रोल में आएंगे नजर

मुंबई। मंगलवार को अक्षय कुमार फिक्की फ्रेम्स 2025 कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में उन्होंने साइबर क्राइम जैसी बातों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लंबी चर्चा की। इसी दौरान अपनी फिल्म 'हैवान' को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री से सलाह मांगी। साथ ही अपने किरदार का जिक्र भी कर दिया। कार्यक्रम में अक्षय ने कहा, 'मैं एक ऐसी फिल्म कर रहा हूं, जिसमें निगेटिव रोल निभा रहा हूं। मैं सोच रहा था कि मुझे यह करना चाहिए या नहीं। फिल्म का नाम 'हैवान' है। लेकिन, अंत में मैं हार जाता हूं। हैवान हार जाता है। इस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अक्षय कुमार को सपोर्ट किया और कहा, 'हां, आपको यह रोल जरूर करना चाहिए। आप जैसे मल्टी टैलेंटेड एक्टर को हर तरह के रोल निभाने चाहिए।

टीवी मसाला

जावेद अख्तर ने बिग बी को राज खोलने से रोका

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन द्वारा होस्ट किए जाने वाले शो कौन बनेगा करोड़पति का नया प्रोमो सामने आया है। इसमें लेखक जावेद अख्तर और उनके बेटे फरहान अख्तर नजर आ रहे हैं। इस नए प्रोमो में बिग बी, जावेद अख्तर के बारे में कुछ मजेदार राज बता रहे हैं। साथ ही फरहान के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी कुछ कहते दिखाई दे रहे हैं। प्रोमो की शुरुआत में फरहान और जावेद अख्तर, बिग बी को केक काटकर खिलाते हुए दिख रहे हैं, क्योंकि 11 अक्टूबर को अमिताभ का जन्मदिन है। इसके बाद बिग बी ने फरहान के साथ की गई 'लक्ष्य' फिल्म का अनुभव बताया। उन्होंने कहा, 'रात को ये हमारे कमरे में आए। अमिताभ अंकल, क्या आपको कोई दिक्कत हो रही है? पहली बार लगा कि मैं एक नौसिखिया ही हूं और ये उस्ताद बैठा हुआ जो कह रहा है देखो बेटा हम तुमको बताते हैं कैसे एक्टिंग करनी चाहिए।' इसके बाद सभी आश्चर्य होकर हंसने लगते हैं। आगे प्रोमो में फरहान, जावेद अख्तर और अमिताभ बच्चन से कहते हैं कि वो दोनों एक-दूसरे के बारे में कोई एक गुण बताएं। इस पर जावेद ने कहा, वह इंडस्ट्री में इतने सारे गुणों वाले इकलौते इंसान हैं, जो मैंने अब तक देखा है। फिर फरहान पूछते हैं कि दोनों में से महिलाओं के बीच कौन ज्यादा लोकप्रिय था। इसके जवाब में जावेद थोड़ा हिचकिचाते हैं, लेकिन बिग बी उनकी ओर इशारा करते हुए बताते हैं कि जावेद ही वो शख्स हैं जिन्हें महिलाएं ज्यादा पसंद करती हैं। उन्होंने आगे कहा, 'मैं बताऊं आपको' जिस पर जावेद तुरंत बीच में ही टोकते हैं, 'सब मत बताइएगा।'

टास्क के बाद फूट-फूटकर रोईं तान्या

नई दिल्ली। रियलिटी शो बिग बॉस 19 में मालती चाहर ने आते ही तान्या मित्तल को आईना दिखा दिया था। एक्ट्रेस ने तान्या मित्तल को बताया कि बाहर उसके बारे में किस तरह का माहौल बन रहा है। लोगों को उसकी कही बातों पर बिल्कुल भी यकीन नहीं है। लेकिन, मालती की बातों को तान्या ने बिल्कुल भी गंभीरता से नहीं लिया। फिर एक टास्क के दौरान मालती ने ऐसी हरकत की कि तान्या रोने लगी। बाद में शो के बाकी प्रतियोगियों को मालती ने तान्या के बारे में काफी सारी बातें बताईं। जिन्हें सुनकर सब हैरान हो गए।

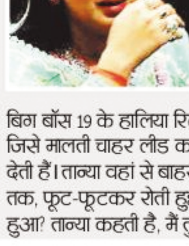

बिग बॉस 19 के हालिया रिलीज प्रोमो में घर में एक टास्क चल रहा है, जिसे मालती चाहर लीड कर रही हैं। वह तान्या को स्विमिंग पुल में धक्का देती हैं। तान्या वहां से बाहर आने के बाद वॉशरूम में जाकर बहुत देर तक, फूट-फूटकर रोती हुईं नजर आती हैं। मातली आकर पूछती है, क्या हुआ? तान्या कहती है, मैं तुम्हारी वजह से रो नहीं रही हूं।

ऐश्वर्या ने शेयर कीं पेरिस फैशन वीक की शानदार तस्वीरें

पेरिस। ऐश्वर्या राय बच्चन ने मंगलवार को पेरिस फैशन वीक 2025 में सितारों के साथ शानदार तस्वीरें शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। उन्होंने सौशल मीडिया हैंडल पर बैकस्टेज की दो कमाल की ग्रुप फोटो शेयर कीं, जिनमें हॉलीवुड और फैशन की बड़ी हस्तियां नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में ऐश्वर्या काले रंग के स्टाइलिश कपड़ों में हेडी क्लम, वियोला डेविस, केंडल जेनर, एले फैनिंग, ईवा लोंगोरिया, एंडी मैकडॉवेल, सिंडी क्रॉफर्ड, लूमा ग्रोथ और अजा नाओमी किंग जैसे सितारों के बीच खड़ी हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर एक सीढ़ी पर ली गई है, जहां सभी सितारे अपने-अपने ग्लैमरस कपड़ों में पोज दे रही हैं। यहां कैमिला कैबेलो, वियोला डेविस, एंडी मैकडॉवेल, हेडी क्लम, ईवा लोंगोरिया, एले फैनिंग, सिंडी क्रॉफर्ड, लूमा ग्रोथ और अजा नाओमी किंग दिखीं। यह इवेंट लोरियल का सालाना रनवे शो 'ले डेफिले 2025' था, जो सौंदर्य और महिलाओं की ताकत पर जोर देता है। ऐश्वर्या ने एक और पोस्ट में वीडियो शेयर किया, जिसमें वे डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के हीरों वाली ड्रेस में कमाल लग रही हैं। वीडियो में वे सिमोन एश्ले (ब्रिजर्टन स्टार) से बात करती नजर आईं। उनकी बेटी आराध्या भी साथ थीं। मां-बेटी की जोड़ी सेल्फी लेती, हंसती और मजे करती दिखी।

सिग्नल पर भीख मांगती थी फिल्मों की ये साइड एक्ट्रेस अनिल, आमिर की फिल्मों में किया था शानदार काम

नई दिल्ली। हिंदी फिल्मों में कई ऐसे साइड किरदार नजर आए होंगे जो आपको पसंद तो बहुत हैं, लेकिन उनके बारे में कम ही जानकारी मौजूद है। ऐसी ही एक करैक्टर आर्टिस्ट थीं मिस मिमी। इन्हें आपने 90 के दशक की कई फिल्मों में अपने बढे हुए वजन के साथ देखा होगा। मिस मिमी कोई एक्टर नहीं थीं, बल्कि सिग्नल पर भीख मांगने वाली एक ऐसी लड़की थी जिसकी दिमागी हालत ठीक नहीं थी। सिग्नल से फिल्मों तक का सफर किसी चमत्कार से कम नहीं था।

आमिर की फिल्म से शुरुआत

आमिर खान और माधुरी दीक्षित की फिल्म दिल तो आपको याद ही होगी। इस फिल्म में एक बॉक्सिंग मुकाबले का सीन आता है, जहां आदिल ईरानी हार जाते हैं। उस हार के पेनल्टी के रूप में मिस मिमी उन्हें किस करती हैं। उसी एक सीन ने उन्हें नाम दिया मिस मिमी। इस बारे में एक इंटरव्यू में आदिल ईरानी ने बताया कि मिस मिमी को उन्होंने सड़क पर एक भिखारिन के रूप में देखा था, तब उनके भाई इंदर कुमार ऐसा लुक ढूंढ रहे थे। और उसी से इंस्पायर्ड होकर उन्होंने उस लड़की को दिल फिल्म में छोटा रोल दिया और एक्टिंग करवाई।

मुंह से आती थी बदबू

आदिल ने कहा कि उस किस सीन में जब मिस मिमी अपना चेहरा उनके करीब ले जाती हैं, तो उनके मुंह से बदबू आ रही थी। मिस मिमी के मुंह से आने वाली उस बदबू ने उन्हें अजीब महसूस कराया। बाद में कहा जाता है कि मिस मिमी ने बेटा और दिलजले जैसी फिल्मों में भी काम किया। लेकिन, मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ न होने के कारण, वो जो कुछ भी मिल जाता, वही खा लेती थीं। इस वजह से एक दिन उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे बुरी तरह बीमार हो गईं। रिपोर्ट ये भी हैं कि मिस मिमी का एक्सीडेंट हो गया था।

करवा चौथ का त्योहार हर साल पति-पत्नी के रिश्ते को बनाता है मजबूत

इस साल ये जोड़ियां मनाएंगी अपना पहला करवा चौथ

नई दिल्ली। करवा चौथ का त्योहार हर साल पति-पत्नी के रिश्ते को और मजबूत बनाता है। इस बार कई नई शादीशुदा जोड़ियां अपना पहला करवा चौथ धूमधाम से मनाएंगी। ये जोड़ियां न केवल अपने रिश्ते को नया रंग देंगी, बल्कि फैंस के लिए भी यह त्योहार खास बन जाएगा। करवा चौथ की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ ये टीवी सेलेब्स भी करवा चौथ का जश्न मनाएंगे।

अरमान मलिक और आशना श्रॉफ

मशहूर सिंगर अरमान मलिक ने हाल ही में आशना श्रॉफ से शादी की है। यह उनका पहला करवा चौथ होगा, जो काफी खास होने वाला है। 2019 से एक-दूसरे को डेट करने के बाद अरमान मलिक और आशना श्रॉफ ने 2 जनवरी, 2025 को शादी की थी। दानों ने इंस्टाग्राम पर 'तू ही मेरा घर' के खास कैप्शन के साथ अपनी शादी की तस्वीरें शेयर की थीं। अरमान मलिक एक मशहूर बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर हैं, जबकि आशना श्रॉफ एक भारतीय फैशन और ब्यूटी ब्लॉगर, यूट्यूबर और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर हैं।

अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर

अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर ने हाल ही में सगाई की है, जिसकी शानदार तस्वीरें अभी भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर की बहन अंशुला ने 2 अक्टूबर को रोहन से सगाई की है। हो सकता है कि अंशुला सगाई के बाद रोहन के लिए करवाचौथ का व्रत रखें।

अविका गौर और मिलिंद चंदवानी

टीवी सीरियल 'बालिका वधु' से घर-घर प्रसिद्ध हुईं अविका गौर ने हाल ही में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी से शादी की है। उनकी शादी 'पति पत्नी और पंगा' के सेट पर हुई थी। यह अविका का पहला करवा चौथ होगा। अविका ने 'ससुराल सिमर का' समेत कई हिट शोज और वेब सीरीज में अभिनय किया है।

झील मेहता और आदित्य दुबे *: अभिनेत्री झील मेहता ने आदित्य दुबे से विवाह किया है। नई दुल्हन झील इस त्योहार को पति के लिए व्रत रखकर सेलिब्रेट कर सकती हैं। झील मेहता ने अपने लंबे समय के साथी आदित्य दुबे से शादी की है। उन्होंने दिसंबर 2024 में भव्य शादी की थी। फिर फरवरी 2025 में अपनी कानूनी शादी (रजिस्ट्री) पूरी की। अभिनेत्री झील मेहता 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में सोनू के किरदार के लिए मशहूर हैं।*

वर्ल्ड कप से पहले ही रोहित विराट का करियर होगा खत्म?

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है. रोहित-कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है. ऐसे में उनकी मैदान पर वापसी का फैन्स को बेसब्री से इंतजार है. ये इंतजार 19 अक्टूबर को खत्म होगा, जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी.

बड़ी बात ये है कि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे क्योंकि अब उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है. रोहित की जगह शुभमन गिल टेस्ट के बाद वनडे टीम के भी नए कप्तान बने हैं. अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के इस फैसले ने फैन्स को हैरान कर दिया है. फैन्स सवाल पूछ रहे हैं कि शानदार प्रदर्शन के बावजूद रोहित शर्मा से कप्तानी क्यों छीनी गई.

रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और टीम प्रबंधन ने 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए एक दीर्घकालिक ब्लूप्रिंट तैयार किया है. इस दौरान ये राय भी बनी कि शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान बनाया जाए. इस ट्रांजिशन के लिए सबसे बड़ी चुनौती रोहित शर्मा को मैनेज करना था, जिन्होंने इसी साल अपनी कप्तानी में भारत को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जिताया था.

मैच नहीं खेलना रोहित के खिलाफ गया

बीसीसीआई के अधिकारियों का मानना था कि अगला वनडे वर्ल्ड कप अभी दो साल दूर है और रोहित शर्मा केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, जिसके चलते उन्हें पर्याप्त मैच प्रैक्टिस नहीं मिल पाती. रोहित ने सभी फिटनेस मानकों को पूरा किया है, लेकिन हालिया समय में वो क्रिकेटिंग एक्शन से दूर रहे हैं जो उनके खिलाफ गया. चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इशारों-इशारों में इसके संकेत भी दिए. रोहित शर्मा ने आखिरी बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था, जबकि उनका पिछला इंटरनेशनल मैच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में था.

शुरुआत में बीसीसीआई के भीतर मतभेद थे क्योंकि रोहित का कप्तानी रिकॉर्ड शानदार रहा है. लेकिन जैसे-जैसे ऑस्ट्रेलिया दौरा नजदीक आया, बदलाव के पक्ष में सहमति बन गई. रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि विराट कोहली की स्थिति भी रोहित शर्मा जैसी ही है क्योंकि दोनों इस वक्त केवल वनडे क्रिकेट ही खेल रहे हैं. जहां रोहित 38 वर्ष के हैं, वहीं विराट 36 साल के हैं. ऐसे में बोर्ड ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अगर हम चीजों को और टालते रहेंगे तो यह और जटिल हो जाएगी. दो खिलाड़ियों में से एक 38 के हैं और दूसरे 36 के. ऐसे में शुरुआती दांव लगाना मुश्किल है. युवा खिलाड़ी भी फॉर्म या फिटनेस खो सकते हैं, लेकिन यह अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प है.

रोहित-कोहली को लेकर अगरकर ने क्या कहा?

अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली 2027 के वर्ल्ड कप में खेलने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं. अगरकर बताना चाहते थे कि उस टूर्नामेंट के लिए रोहित और विराट की टीम में जगह की गारंटी नहीं दी जा सकती है. अगरकर ने कहा कि बीसीसीआई की पॉलिसी है कि टीम में सेलेक्शन के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना होगा. ये देखना होगा कि आने वाले समय में विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू वनडे टूर्नामेंट (विजय हजारे ट्रॉफी) में खेलते हैं या नहीं.

दोनों खिलाड़ियों पर यदि बीसीसीआई की ओर से घरेलू मैच खेलने का ज्यादा प्रेशर बनाया जाता है तो वे निकट भविष्य में बड़ा फैसला ले सकते हैं. पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए था क्योंकि इससे उन्हें काफी गेम टाइम मिलाता. आकाश कहते हैं कि कोहली और रोहित शर्मा को अब लगातार रन बनाने होंगे, नहीं तो कोई और उनकी जगह टीम में आ सकता है.

बीसीसीआई अब टीम को ऐसे खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द तैयार करना चाहती है जो 2027 वर्ल्ड कप में कमाल कर सके. शुभमन गिल को कप्तान बनाना इसी रणनीति का हिस्सा है. रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारे हैं, लेकिन अब चयन समिति ने संकेत दे दिया है कि भारतीय टीम की नजरें युवा खिलाड़ियों पर हैं. यह बदलाव भावनात्मक रूप से कठिन जरूर है, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट में नई शुरुआत भी हो सकती है.

वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद गिल ने भरी हुंकार

2027 वर्ल्ड कप जीतना है लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल के कप्तान बनने के साथ ही भारत ने वनडे क्रिकेट के एक नए युग में कदम रखा है और इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाला वनडे विश्व कप ही उनका अगला टारगेट है। भारतीय टीम वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में पहुंच गई थी जहां उसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मुकाबले में पारी और 140 रन से हरा दिया और इसके ठीक बाद उन्हें भारतीय वनडे टीम का कप्तान बनाया गया। वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद गिल ने बताया कि ये उनके लिए गर्व की बात है और उन्होंने अपने प्लान का भी खुलासा कर दिया। शुभमन गिल ने बीसीसीआई मीडिया से कहा कि अपने देश की वनडे में कप्तानी करना, उस टीम की कप्तानी करना जिसने इतना कुछ हासिल किया है सबसे बड़ा सम्मान है। इससे मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है और मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा। भारतीय सेलेक्टर्स ने वनडे वर्ल्ड कप 2027 को देखते हुए ये बड़ा कदम उठाया। गिल अब भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान हैं और टी20 टीम के वो उप-कप्तान हैं। गिल ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि विश्व कप से पहले हमारे पास लगभग 20 वनडे मैच हैं और जाहिर है सबसे बड़ा लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका में होने वाला विश्व कप है। हम जो भी खेलेंगे और टीम का हर खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। हम विश्व कप से पहले एक शानदार सीजन बिताने की पूरी कोशिश करेंगे और उम्मीद है कि हम इसे जीतेंगे।.

ऑस्ट्रेलिया के हरजस ने खेली तूफानी पारी

वनडे में ट्रिपल सेंचुरी, 35 छक्कों के साथ बनाए 314 रन...

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रोहित शर्मा का है, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे. ऑस्ट्रेलिया के हरजस सिंह ने 50 ओवरों के मुकाबले में ट्रिपल सेंचुरी लगाकर सनसनी मचा दी. उन्होंने न्यू साउथ वेल्स प्रीमियर क्रिकेट टूर्नामेंट में 314 रनों की धुआंधार पारी खेली. 141 गेंदों में खेली इस पारी में उन्होंने 35 छक्के भी लगाए, यानी 210 रन तो उन्होंने सिर्फ छक्कों से ही बना डाले. 20 वर्षीय हरजस सिंह ने शनिवार को दूसरे दौर के मैच में वेस्टर्न सबर्ब्स की ओर से खेलते हुए सिडनी के खिलाफ ये ट्रिपल सेंचुरी जड़ी. वह मुकाबले में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे, इससे पहले निकोलस कटलर और जोशुआ क्लार्क के बीच 70 रनों की साझेदारी हुई थी.

हरजस सिंह ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की, और जब एक बार उनकी आंख जम गई तो छक्के-चौकों की बरसात शुरू कर दी. हरजस सिंह ने 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था. पचास रन पूरे करने के बाद फिर वह थोड़ी देर के लिए धीमे हुए, उन्होंने 74 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. लेकिन इसके बाद तो मैदान पर उनका अलग ही रूप देखने को मिला, उन्होंने हर गेंदबाज की पिटाई शुरू कर दी.

सिर्फ बॉउंड्री से बनाए 258 रन

हरजस सिंह ने 314 रनों की पारी में 35 छक्के और 12 चौके लगाए, यानी उन्होंने 210 रन छक्कों से और 48 रन चौकों से बनाए. मतलब उन्होंने 258 रन तो सिर्फ बॉउंड्री से बना डाले. पहले शतक में उन्होंने 74 गेंदें खेली, लेकिन दूसरा शतक सिर्फ 29 गेंदों में आ गया था. हरजस ने 132 में अपनी ट्रिपल सेंचुरी पूरी की, वह आखिरी ओवर में 314 रन बनाकर आउट हुए. हरजस की तूफानी पारी के सहारे वेस्टर्न सबर्ब्स ने 483 रनों का विशाल स्कोर बनाया.

ऑस्ट्रेलिया के लिए 19 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं हरजस सिंह

हरजस 2024 अंडर-19 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया टीम का हिस्सा थे, जिसमें उन्होंने भारत के खिलाफ फाइनल में 55 रन बनाए थे. ट्रिपल सेंचुरी लगाने के बाद हरजस सिंह ने कहा, मैं शतक बनाने से ही खुश था, क्योंकि मैंने अपनी मां से कहा था कि अगर मैं इस मैच में शतक लगाऊंगा तो क्या आप मुझे अपनी कार चलाने दोगी. इंटरनेशनल क्रिकेट में रोहित शर्मा नंबर-1 !

वनडे इंटरनेशनल में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने का रिकॉर्ड अभी भी रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने 13 नवंबर 2014 को श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे. 173 गेंदों में खेली इस पारी में रोहित ने 9 छक्के और 33 चौके लगाए थे. रोहित शर्मा अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, वह ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए विराट कोहली के साथ टीम में चुने गए हैं लेकिन अब वह कप्तान नहीं है.

क्रिकेट में पहली बार चोट के कारण बीच मैच में बदली प्लेइंग 11, जोशुआ वैन हीर्डन का नाम इतिहास में दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में सब्सटीट्यूट के नए ट्रायल के तहत वेस्टर्न प्रोविंस के ओपनर बल्लेबाज जोशुआ वैन हीर्डन का नाम इतिहास में दर्ज हो गया। वह शनिवार (4 अक्टूबर) को पहले लाइक टू लाइड इंजरी रिप्लेसमेंट सब्सटीट्यूट बन गए। साउथ अफ्रीका की प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दूसरे दौर में लायंस के खिलाफ प्रोविंशियल चार दिवसीय मैच में चोट होने के कारण बीच मैच में वेस्टर्न प्रोविंस के प्लेइंग 11 में बदलाव हुआ। न्यूलैंड्स में खेले जा रहे इस मैच में वैन हीर्डन ने एडवर्ड मूर की जगह ली। मूर को दूसरे दिन फील्डिंग करते समय बाईं जांघ की अंदरूनी मांसपेशी (एडक्टर) में चोट लग गई थी।

सब्सटीट्यूट का यह ट्रॉयल ऑस्ट्रेलिया के शेफील्ड शील्ड और भारत के दलीप ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी में भी होगा। यह ट्रायल आईसीसी की एक पहल का हिस्सा है, जो मैच के दौरान गंभीर रूप से चोटिल खिलाड़ी की अन्य खिलाड़ी को मौका देने के लिए समाधान की तलाश में है। ऑस्ट्रेलिया की तरह साउथ अफ्रीका भी अंदरूनी और बाहरी दोनों चोट के लिए रिप्लेसमेंट दे रही है। भारत में अभी केवल बाहरी चोट के लिए रिप्लेसमेंट देने की योजना है।

चोटिल खिलाड़ी 7 दिन मैदान से रहेगा दूर

इसके बाद वे मैच रेफरी से संपर्क करके अपने फैसले की पुष्टि करते हैं। बाहरी चोट जैसे कि हड्डी टूटने या खिसने पर मैच रेफरी डॉ. रामजी और सेपेंग से सलाह लेकर किसी अन्य खिलाड़ी के बारे में फैसला ले सकते हैं। घायल खिलाड़ी की जगह तभी किसी और को लाया जा सकता है जब वह मैच से पूरी तरह बाहर हो गया हो। सीएसए की प्लेइंग कंडिशन के अनुसार उसे मैदान पर वापसी करने के लिए कम से कम 7 दिन इंतजार करना होगा।

साउथ अफ्रीका में ये है प्रोटोकॉल: साउथ अफ्रीका की घरेलू क्रिकेट में कोई चोटिल खिलाड़ी कब रिप्लेस होगा यह निर्धारित करने के लिए सख्त प्रोटोकॉल है। अंदरूनी चोट जैसे कि मांसपेशी में खिंचाव होने पर खिलाड़ी को अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन करानी पड़ती है। इसके बाद रिपोर्ट सीएसए के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हर्शेंद्र रामजी और सीएसए के क्रिकेट संचालन प्रबंधक ओबाकेंग सेपेंग को भेजी जाती है। यह रिपोर्ट के मद्देनजर निर्धारित करते हैं कि क्या चोट इतनी गंभीर है कि रिप्लेसमेंट की अनुमति मिल सके।

क्या इंटरनेशनल क्रिकेट में आएगा लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट: ऑस्ट्रेलिया में रिप्लेसमेंट केवल दूसरे दिन स्टंप्स तक ही मिल सकता है। चोटिल खिलाड़ी के कम से कम 12 दिनों तक मैदान से दूर रहना अनिवार्य है।

ऑस्ट्रेलिया और भारत की तरह साउथ अफ्रीका भी फिलहाल बहु-दिवसीय क्रिकेट में इस प्रणाली का केवल ट्रायल कर रहा है। प्रोटोकॉल में अंतर इस बात पर निर्भर करता है कि विभिन्न देश इस प्रणाली का परीक्षण कैसे करना चाहते हैं। वे सभी आईसीसी को रिपोर्ट करेंगे, जो फिर अंतरराष्ट्रीय खेल में लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट के लिए नियम बना सकता है।

वान्या शर्मा बनीं बेस्ट योगिनी, राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास की मिसाल बनीं वान्या शर्मा ने एक बार फिर योग की दुनिया में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। नई दिल्ली के सरकारी विद्यालय, सरस्वती विहार में आयोजित राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 में वान्या ने अपने अद्वितीय योगाभ्यास से निर्णायकों को प्रभावित करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

उनकी अद्भुत संतुलन क्षमता, लचीलापन और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति के लिए उन्हें विशेष सम्मान बेस्ट योगिनी ट्रॉफी से नवाजा गया। मंच पर वान्या की योग मुद्राओं में अनुशासन, निपुणता और सहजता का ऐसा संगम देखने को मिला कि पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट

से गूंज उठा। वान्या शर्मा पहले भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। उन्होंने सितंबर 2025 में मलेशिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में भारत के लिए तीन स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया था। वर्ष 2024 में भी उन्होंने इंटर-स्कूल योगासन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया।

उल्लेखनीय है कि अब तक 14 विश्व रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज हैं। छोटी सी उम्र में ही योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने वाली वान्या आज देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

राहुल तेवतिया का खुलासा

इन दो भारतीय खिलाड़ियों से सीखा बल्लेबाजी का हुनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर राहुल तेवतिया ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी पर युवराज सिंह और एमएस धोनी का गहरा प्रभाव रहा है। एक बाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में तेवतिया युवराज की स्टाइल और शॉट सिलेक्शन के प्रशंसक हैं, जबकि धोनी से उन्होंने डेथ ओवरों में शांत रहकर मैच खत्म करने की कला सीखी। तेवतिया ने कहा, मैं युवराज सिंह की बल्लेबाजी देखते हुए बड़ा हुआ हूं।

जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब माही भाई की बल्लेबाजी को ध्यान से देखने लगा। उन्होंने डेथ ओवरों में गेंदबाजों को कैसे निशाना बनाया, यह सीखकर मुझे काफी फायदा हुआ।

आईपीएल के फिनिशर के रूप में पहचान : तेवतिया ने 2020 में राजस्थान रॉयल्स के लिए पंजाब के खिलाफ मैच में एक ओवर में पांच छक्के जड़कर सनसनी मचा दी थी। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए 2022 में उन्होंने आखिरी दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सीजन में टाइटन्स ने आईपीएल ट्रॉफी भी जीती, जिसमें तेवतिया की भूमिका अहम रही।

प्रक्रिया पर ध्यान, नतीजे पर नहीं : तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, सफलता या असफलता दोनों में समान रहना चाहिए। अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो बुरा लगता है, लेकिन असली फोकस प्रक्रिया और तैयारी पर होना चाहिए, न कि नतीजे पर।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: जीतने के जुनून ने किसान के बेटे निशाद कुमार को बनाया वर्ल्ड चैंपियन

अंब (ऊना), एजेंसी। हिमाचल के ऊना में रहने वाले निशाद के लिए यह दोहरी खुशी थी क्योंकि उन्होंने अपने 26वें जन्मदिन पर पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा जीती। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का राड्रिक टाउंसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। जीतने के जुनून ने किसान के बेटे को वर्ल्ड चैंपियन बना दिया। वह भी उस दिन, जब उसका जन्मदिन था। अपने जन्मदिन का इससे बेहतर तोहफा कोई इससे बेहतर क्या दे सकता है। यह तोहफा पैरा एथलीट निशाद कुमार ने देश और खुद को दिया है। 3 अक्तूबर 1999 को जन्मे

निशाद ने अपनी जिंदगी के सिल्वर जुबली वर्ष में देश के नाम सोने का तमगा जीत कर अपने जन्मदिन की खुशियों को वर्ल्ड चैंपियन के खिताब के साथ मनाया। इसमें सोने पर सुहागा यह रहा कि पहली बार किसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके पिता रछपाल सिंह, माता पुष्पा देवी और बहन रमा स्टेडियम में मौजूद रहे। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का राड्रिक टाउंसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। टाउंसेंट ने तीसरा स्थान हासिल किया। जब भी किसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का जिक्र होता था, तो निशाद की यह जिद नजर आती थी।

बीएफआई कप:

मंजू, अंकुशिता, अरुंधति, प्रिया और परवीन का जलवा, बीएफआई कप के सेमीफाइनल में पहुंच

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने शनिवार को बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए। विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने शनिवार को बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए।

वायुसेनादिवस के मौके पर गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस में आयोजित किए गए समारोह में बोले वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह

वायुसेना का प्रशिक्षण, रणनीतियां बदलती तकनीक और परिस्थितियों के मुताबिक होनी चाहिए

नई दिल्ली

एयरबेस पर डिस्प्ले में पहली बार नजर आया वायुसेना का हेरिटेज एचटी-2 प्रशिक्षण विमान

वायुसेना ने गुरुवार को अपना 93वां स्थापना दिवस जोरशोर से मनाया। वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने इसकी शुरुआत राजधानी स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (एनडब्ल्यूएम) में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करके की और उसके बाद गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरबेस पर आयोजित किए गए परेड समारोह की अध्यक्षता की।

इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने वायुवीरों द्वारा राष्ट्र की रक्षा के लिए इतिहास से लेकर वर्तमान में लड़े गए युद्धों और सैन्य संघर्षों (ऑपरेशन सिंदूर) के दौरान प्रदर्शित की गई अद्भुत वीरता और पराक्रम की सराहना की। साथ ही कहा कि बल का प्रशिक्षण और रणनीतियां बदलते वक्त की तकनीक और परिस्थितियों पर केंद्रित होना चाहिए। हमें उभरती हुई चुनौतियों से दो-दो करने के लिए हमेशा तैयार रहना होगा। वायुसेना के कर्मियों को दिए अपने संदेश में उन्होंने कहा कि सभी को निरंतर प्रशिक्षण और आत्म-अनुशासन का पालन करना चाहिए। समारोह में सीडीएस, सेनाप्रमुख और नौसेनाप्रमुख भी मौजूद रहे। यहां बता दें कि इस वर्ष वायुसेना दो भागों में अपना स्थापना दिवस मना रही है। जिसमें पहले भाग में 8 अक्टूबर को हिंडन एयरबेस पर परेड समारोह आयोजित किया गया। इसके बाद अगले महीने 9 नवंबर को असम के गुवाहाटी में बल के जंगी व अन्य विमानों का बेहद आकर्षक फ्लाईपास्ट होगा।

ऑपरेशन सिंदूर ने दिलाई रणनीतिक बढ़त

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह अभियान वायुसेना के समर्पण, लगातार अभ्यास और प्रशिक्षण के जरिए बड़ी उपलब्धियां हासिल करने का स्पष्ट प्रमाण प्रस्तुत करता है। अभियान में वायु-योद्धाओं की कार्रवाई ने देश की रणनीतिक स्थिति को और अधिक मजबूत बनाया है।

समारोह में एयरचीफ मार्शल सिंह ने 7 से 10 मई 2025 तक पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए इस अभियान में शामिल रहे वायुसेना के कुल करीब 8 दर्जन से अधिक वायुवीरों को सम्मानित भी किया। साथ ही ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान को धूल चटाने वाली राफेल विमान, ब्रह्मोस मिसाइल, एस-400 सिस्टम व लाएटरिंग म्यूनिशन की यूनिट को विशेष प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनकी हौसला-अफजाई भी की।

वायुसेना ने मनाया अपना लोहा

वायुसेनाध्यक्ष के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर में वायुसेना का प्रदर्शन स्वदेशी हथियारों साथ बेहद शानदार रहा। जिस पर हमें गर्व है। इस अभियान ने दुनिया को भी ये प्रमाणित कर दिया है कि चंद दिनों में सैन्य निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए हवाई क्षमता का प्रभावी इस्तेमाल कितना कारगर साबित हो सकता है। सही जगह पर किए गए भारत के बड़े और अचूक वार ने हमें दुश्मन के खिलाफ रणनीतिक रूप से बढ़त बनाने में मदद की। वायु-योद्धाओं ने हर दौर में इतिहास रचा है। जिसमें 1948 से लेकर 1971, 1999, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर मुख्य हैं। सभी में वायुसेना न केवल आसमान की रक्षक बनी। बल्कि उसने राष्ट्र के सम्मान की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी बखूबी संभाली है। नए सिस्टम, हथियारों और उपकरणों की मदद से वायुसेना की रणनीतिक योजना में सराहनीय सफलता हासिल हुई है। जवाबदेही की संस्कृति के साथ ही वायुवीरों के बीच सुरक्षा के भाव भी बढ़ा है।

वायुसेना ने हमेशा पहले प्रतिक्रिया दी

उन्होंने कहा कि वायुसेना हमेशा से ही सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाला सैन्य बल रहा है। फिर चाहे देश के भीतर कोई मिशन हो या फिर देश के बाहर कोई आपात परिस्थिति। हमने हमेशा तत्परता के साथ राहत-बचाव अभियान चलाकर मदद पहुंचाई है। घरेलू अभियानों में असम में हुआ कोयला खदान हादसा, मेघालय-तमिलनाडु में हुआ सुरंग हादसा और मणिपुर-सिक्किम में आई बाढ़ की स्थिति में पहुंचाई गई राहत मुख्य है। जबकि देश से बाहर संकट की स्थिति में फंसे हुए भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी से लेकर म्यांमार, वियतनाम, लाओस और केन्या जैसे देशों को भी वायुसेना ने जरूरत पड़ने पर तत्काल राहत सामग्री भेजी है।

परेड में पहली बार नजर आया एचटी-2 विमान

हिंडन एयरबेस पर वायुवीरों की भव्य परेड में तीनों सशस्त्र सेनाओं (सेना, वायुसेना और नौसेना) की साझा टुकड़ी पहली बार शामिल हुई। बल के ही हेलिकॉप्टर ने समारोह स्थल पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज, वायुसेना का ध्वज और ऑपरेशन सिंदूर का झंडा लहराया। साथ ही एयरबेस पर वायुसेना ने अपना प्रचंड शक्ति प्रदर्शन भी किया। जिसमें बल के एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम से लेकर राफेल, सुखोई-30 एमकेआई जैसे जंगी विमान, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे मालवाहक विमान, स्वदेशी नेत्रा, आकाश मिसाइल सिस्टम, लांग-बो रडार से लैस अपाचे हेलिकॉप्टर और उन्नत हल्के हेलिकॉप्टर नजर आए। इसके अलावा एयरबेस पर पहली बार वायुसेना का हेरिटेज प्रशिक्षण विमान एचटी-2 भी देखने को मिला। यह वायुसेना के लिए बनाया गया पहला स्वदेशी विमान है। 1950 के समय में इसी विमान पर वायुसेना के पायलट अपनी बेसिक ट्रेनिंग लेते थे। ये सिलसिला 1989 तक चला। परेड में वायुसेना ने अपनी ताकत, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की साक्षात झलक दुनिया के सामने पेश की।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बारबाडोस पहुंचे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला

68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में हुए शामिल, लोकतांत्रिक मूल्यों पर जोर

एजेंसी नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ब्रिजटाउन के बारबाडोस में 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। समिट का आयोजन 'राष्ट्रमंडल-एक वैश्विक साझेदार' थीम पर किया गया। कार्यक्रम में एक अधिक न्यायसंगत और समावेशी विश्व के निर्माण में संवाद, सहयोग और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया गया। ओम बिरला ने एक्स पर पोस्ट किया कि बारबाडोस में 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में दुनिया भर के वक्ताओं और नेताओं के साथ शामिल होना वाकई प्रेरणादायक है। 'राष्ट्रमंडल-एक वैश्विक साझेदार' हमें याद दिलाता है कि संवाद, सहयोग और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के माध्यम से हम मिलकर एक अधिक न्यायसंगत और समावेशी विश्व का निर्माण कर सकते हैं।

संवाद, सहयोग और लोकतांत्रिक मूल्यों से विश्व का निर्माण हो सकेगा

समिट की थीम 'राष्ट्रमंडल-एक वैश्विक साझेदार' पर हो रहा यह आयोजन

आयोजन 12 अक्टूबर तक होगा

68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन का आयोजन 12 अक्टूबर तक होगा। सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, सांसद (लोकसभा) अनुराग शर्मा, सांसद (लोकसभा) डी. पुरंदेश्वरी, सांसद (लोकसभा) के. सुधाकर, सांसद (राज्यसभा) रेखा शर्मा, सांसद (राज्यसभा) अजीत माधवराव गोपछड़े, महासचिव, लोकसभा उत्पल कुमार सिंह और महासचिव, राज्यसभा पी.सी. मोदी शामिल हैं।

भारतीय प्रवासियों से करेंगे बात

बिरला ने कहा कि साझा लोकतांत्रिक परंपराओं वाले राष्ट्रों के रूप में, राष्ट्रमंडल एक अधिक समावेशी और सहयोगी वैश्विक व्यवस्था को आकार देने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है। अपने प्रवास के दौरान वे बारबाडोस के नेतृत्व से मिलने और प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत करेंगे। इस सम्मेलन के दौरान विभिन्न विषयों पर सात कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

फिर बिगड़े पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के बोल, भारत के खिलाफ किया झूठा दावा...

औरंगजेब के शासनकाल के अलावा भारत में नहीं रही कभी एकताः ख्वाजा

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर में भारत के हाथों करारी शिकस्त खाने वाले पाकिस्तान का दिमाग अभी भी पूरी तरह से दुरुस्त नहीं हुआ है। उसके नेता आए दिन भारत के खिलाफ झूठी और बेबुनियाद बातें करते रहते हैं। जिसमें पाक के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ सबसे आगे हैं।

अपने ताजा बयान में उन्होंने भारत की एकता को लेकर एक झूठा दावा किया है। जिसमें आसिफ ने कहा कि भारत में मुगल शासक औरंगजेब के शासन के अलावा कभी एकता नहीं रही है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध का जोखिम वास्तविक है। अगर फिर से इसकी नौबत आई तो हम पहले से बेहतर नतीजे हासिल करेंगे। बताते चलें कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने यह टिप्पणी समा टीवी को दिए एक साक्षात्कार में की है। जिसे भारत के रक्षा मंत्री और सेनाप्रमुख द्वारा पाकिस्तान की दी गई हालिया चेतावनी की प्रतिक्रिया माना जा सकता है। ख्वाजा आसिफ के मुताबिक, केवल औरंगजेब के समय को छोड़ दें यानी अठारहवीं शताब्दी के शुरुआती समय के अलावा भारत कभी भी एक मुल्क या रियासत के तौर पर नहीं रहा।

वहीं पाकिस्तान को देखें तो हम अल्लाह के नाम बने हैं, हमारा नाम भी उन्हीं के नाम पर है। यहां देश में कितने झगड़े चल रहे हैं, लेकिन भारत के साथ 4 से 5 दिनों की जंग में पूरा देश एकजुट हो गया।

28 वर्षीय वांग पर मेटा ने लुटाए 1.24 लाख करोड़

नई दिल्ली। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रेस में बड़ा कदम उठाते हुए 28 वर्षीय एलेक्जेंडर वांग को सुपर इंटेलिजेंस लैब्स का हेड बनाया है। वांग पहले स्केल एआई के सीईओ रह चुके हैं। मार्क जकरबर्ग ने वांग के स्टार्टअप स्केल एआई में करीब 14.3 अरब डॉलर (करीब 1.24 लाख करोड़) का निवेश किया है और उन्हें मेटा के पूरे एआई प्रोग्राम का नेतृत्व सौंपा है। वांग अब मेटा की सभी एआई प्रोडक्ट और रिसर्च टीमों की निगरानी कर रहे हैं, जो अब एक नई इकाई, मेटा सुपरइंटेलिजेंस लैब्स के तहत काम कर रही हैं।

खबर संक्षेप

किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर गायन स्पर्धा 12 को

बिलासपुर। किशोर कुमार की पुण्यतिथि और कुमार शानू के जन्मदिन पर गायन प्रतियोगिता का आयोजन 12 अक्टूबर रविवार को किया जाएगा। एवरग्रीन म्यूजिकल एवेंट ग्रुप फाउंडेशन के आर्गनाइजर आर राजेश ने बताया कि 13 अक्टूबर को महान गायक किशोर कुमार की पुण्यतिथि होने के साथ ही 12 अक्टूबर को बॉलीवुड के सिंगर कुमार शानू का जन्मदिन भी है। किशोर कुमार को श्रद्धांजलि देने के साथ कुमार शानू को जन्मदिन की बधाई स्वरूप गायन प्रतियोगिता का आयोजन रविवार 12 अक्टूबर को शाम 4 बजे से रात 11 बजे तक मंडी बाजार चौक तिफरा स्थित कमलाश्री रिसॉर्ट मैरिज हॉल में रखा गया है।

अम्बिकापुर जेल जाने के डर से फरार कैदी ने खाया जहर, सिम्स में भर्ती

बिलासपुर

अम्बिकापुर जेल जाने के डर से फरार कैदी ने जहर खा लिया है, परिजन ने उसे इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है। ज्ञात हो कि एक दिन पहले कैदी ने कलेक्टर के समक्ष आत्मसमपर्ण किया था, किन्तु बिलासपुर जेल से उसे लौटा दिया गया था।

अम्बिकापुर जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी मुकेश कांत को तबियत खराब होने पर वहां के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान वह अस्पताल से भागकर घर आ गया। उसकी पत्नी अमरिका बाई ने आरोप लगाया है

कि अम्बिकापुर जेल में जेलकर्मियों के द्वारा पैसे के लिए उनके पति को प्रताड़ित किया जा रहा था। मारपीट कर अमानवीय व्यवहार किया जा रहा था। मंगलवार को उन्होंने पति को कलेक्टर संजय अग्रवाल के समक्ष आत्मसमपर्ण कराकर अम्बिकापुर जेल में उनके पति को दी जा रही प्रताड़ना की जानकारी दी। अमरिका बाई ने बताया, कलेक्टर के निर्देश पर उनके पति को बिलासपुर जेल भेजा गया था। 6 घण्टे रखने के बाद जेल से उनके पति को सिविल लाइन थाने में छोड़ दिया गया। सूचना मिलने पर परिजन सिविल लाइन थाना पहुंचकर मुकेश बंसल को घर ले गए। बुधवार की सुबह वह नहाने के बाद पूजा करने मंदिर चला गया था। सुबह अम्बिकापुर पुलिस उसे जेल ले जाने उनके घर आई। घरवालों ने उन्हें फोन कर इसकी जानकारी दी, अम्बिकापुर जेल जाने के डर से मुकेश बंसल ने जहर खा लिया। सूचना मिलने पर परिजन के द्वारा उसे इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है। जहां डाक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

राजौरी में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन

पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप से मुठभेड़ के बाद से 4 आतंकियों की तलाश जारी

एजेंसी राजौरी

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में 7 अक्टूबर की रात आतंकियों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) के बीच मुठभेड़ हुई थी। दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग की गई थी। इसके बाद आतंकी जंगल की ओर भाग गए थे। बीरंथुब में हुए इस एनकाउंटर के बाद से जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ की जॉइंट टीमें यहां पर सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। मंगलवार की पूरी रात चली सर्चिंग के बाद बुधवार सुबह भी सर्च ऑपरेशन जारी है।

यहां 4 आतंकियों के छिपे होने की खबर है। सुरक्षाबल राजौरी-

कोटरणका-बुधाले सड़क से गुजरने वाले वाहनों की जांच कर रहे हैं। वहीं, आज सुबह से टेरर फंडिंग केस को लेकर स्टेट इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) श्रीनगर, गांदरबल, वडगाम, अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, बारामूला, कुपवाड़ा, बांदीपुरा और गांदरबल में छापेमारी कर रही है।

कीड़ीयां पुल के पास मुठभेड़, 3 अरेस्ट

कठुआ जिले के लखनपुर सेक्टर स्थित कीड़ीयां पुल के पास बुधवार दोपहर को एक नाका चेकिंग के दौरान पुलिस और तीन संदिग्धों के बीच फायरिंग हुई। पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। करीब 12:30 बजे कीड़ीयां से कठुआ की ओर आ रही एक मोटरसाइकिल को पुलिस ने रोकने का इशारा किया, जिस पर तीन युवक सवार थे। पुलिस के रोकने पर युवकों ने रुकने की बजाय पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी और भागने की कोशिश की। भागते वक्त उनकी बाइक सड़क के डिवाइडर से टकरा गई, जिससे तीनों गिर पड़े और घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर ही तीनों को काबू में लेकर तुरंत कठुआ के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया।

अनंतनाग से सेना के 2 जवान हुए लापता

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले से दो भारतीय सैनिक सोमवार से लापता हैं। लापता जवान एलीट 5 पैरा फोर्स का हिस्सा हैं। दोनों की ड्यूटी कोकरनाग क्षेत्र के गद्दूल इलाके में लगी थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि खराब मौसम के कारण ये सैनिक भटक गए होंगे। फिलहाल दोनों की तलाश जारी है। खोज के दौरान सेना की टीमें लगातार लोकल अधिकारियों के संपर्क में हैं।

केजव्हील लगे ट्रैक्टर पर अब परिवहन विभाग कसेगा शिकंजा

बिलासपुर

कृषि कार्य के दौरान ट्रैक्टरों में उपयोग किए जाने वाले केजव्हील को लगाकर सड़क पर चलाना अब किसानों को भारी पड़ेगा। आरटीओ को ऐसे वाहनों पर कार्रवाई करने का आदेश मिल चुका है। खेती कार्य के लिए खेतों में गीली मिट्टी को मिलाने के लिए ट्रैक्टरों में चक्के के साथ केजव्हील लगाई जाती है। खेत में काम पूरा होने के बाद केजव्हील लगे हुए ट्रैक्टर को किसान सड़क पर चलाते हैं। खासकर ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे ट्रैक्टर नजर आते हैं, जबकि ऐसा करना मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन है। केजव्हील के कारण जहां एक ओर सड़क खराब होती हैं तो दूसरी ओर चक्कों के बाहर लगे होने के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

■ हाईकोर्ट के आदेश के बाद जागा परिवहन विभाग

ट्रैक्टर वाहन को मुख्य रूप से किसानों द्वारा अपने खेतों में उपयोग के लिए बनाए जाते हैं। इन ट्रैक्टरों को नुकीले दोहरे पिंजरों वाले पहियों को हटाए बिना, अनाधिकृत और अंधाधुंध तरीके से कच्ची, डामरीकरण सड़क, सीमेंट की सड़कों, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र वाली सड़कों पर चलाया जा रहा है। सड़क या सीमेंट की सड़कों पर ऐसे ट्रैक्टर चलाते समय दोहरे पिंजरों वाले पहियों को हटाया जाना चाहिए। यह आदेश हाईकोर्ट द्वारा जारी किया गया है। जिसके बाद परिवहन विभाग सक्रिय हो चुका है। दरअसल किसान दोहरे पिंजरों वाले पहियों को हटाए बिना ही इन वाहनों को डामरीकरण सड़क, सीमेंट सड़क की सड़कों पर चलाते है, जिससे सड़कें खराब हो रही हैं। ट्रैक्टरों पर परिवहन विभाग शिकंजा कसने की बात कह रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मुख्यालय से निर्देश के अनुसार ऐसे ट्रैक्टर जिनके टायरों में लोहे का रिंग लगा हो, जिसका प्रयोग खेत में होना चाहिए, परन्तु सड़कों में ऐसी वाहनों का संचालन किया जाना मोटर वाहन अधिनियम, नियमों के विरूद्ध है, जिससे दुर्घटना घटित होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इन परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए ऐसी वाहनों को सामान्य सड़कों में न चलाने के लिए जिला प्रशासन के सहयोग से जनजागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मोटरयान नियमों से अवगत कराया जाएगा। ऐसे वाहनों पर चालानी कार्यवाही भी की जाएगी।

आरटीओ की टीम करेगी कार्रवाई

हाईकोर्ट के आदेश पर उड़नदस्ता प्रभारी और जिला परिवहन अधिकारी की टीम ट्रैक्टरों पर कार्रवाई कर सकेगा। इसके लिए टीम भी बनाई जा रही है। टीम पहले जनजागरूता के लिए अभियान चलाएगा, साथ ही सड़कों पर दिखने वाले वाहनों पर तत्काल कार्रवाई कर सकेगा।

दिया गया निर्देश

परिवहन विभाग के उड़न दस्ता टीम को कार्रवाई के लिए निर्देश जारी किया है। कृषि कार्य के लिए उपयोग करने वाले केजव्हील को लगाकर सड़क पर न चलाएं, इससे सड़क को नुकसान पहुंचता है।

-असीम माथूर, आरटीओ, परिवहन विभाग

केन्द्रीय जेल में रक्तदान शिविर

बिलासपुर। केन्द्रीय जेल में छत्तीसगढ़ में 3 से 10 अक्टूबर तक छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की रजत जयंती के अवसर पर प्रतिदिन जेल सुधारात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में केन्द्रीय जेल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सिम्स अस्पताल से ब्लड सेंटर स्टाफ से डॉ.मनोज क्षत्रिय, डॉ.असीम आनंद मसीह, विवेक कुमार शर्मा, किशोर सिदार, सुमन गिरी, कौशल्या पात्रे, आँचल शास्त्री, अजय कुमार, आनंद अग्निहोत्री, सुरेश वर्मा एवं रेडक्रास सोसायटी से सौरभ सक्सेना, सुशील राजपूत, अन्नू पटेल, लेमा देवांगन, आरती गुप्ता उपस्थित हुए। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक खोमेश मंडावी, कोकिला वर्मा, प्रभारी उप जेल अधीक्षक, रामपाल सिंह कंवर, परिवीक्षा एवं कल्याण अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

डेडलाइन खत्म हुई तो तुर्की के पास पहुंचे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

'गाजा पीस' प्लान पर हमास को बिना किसी शर्त राजी करवाने के लिए एर्दोगन से मांगी सहायता

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी भी कीमत पर इजराइल और हमास के बीच शांति लाना चाहते हैं। इसके लिए उनका महत्वाकांक्षी गाजा पीस प्लान तैयार है। लेकिन इस प्लान पर हमास की हां-ना, हां-ना के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में ट्रंप ने अब तुर्की की मदद मांगी है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप एर्दोगन का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने गाजा पीस प्लान को लेकर उनसे मदद मांगी है। ट्रांप चाहते हैं कि हम हमास को रजामंद करें कि वह इस पीस प्लान को बिना किसी शर्त के स्वीकार कर ले। हमास को किसी भी तरह यह प्लान मानने के लिए तैयार किया जाए।

इजराइल और हमास की वार्ता तीसरे दिन भी मिस्त्र में रही जारी

इजराइल और हमास की शांति वार्ता का तीसरे दिन बुधवार को जारी रही। यह वार्ता मिस्र के एक होटल में हो रही है। इस वार्ता में अमेरिका, इजराइल और अन्य मध्यस्थ देशों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। तुर्की के इंटेलिजेंस चीफ इब्राहिम कालिन भी मौजूद थे। इजराइल की तरफ से पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के मुख्य सलाहकार रॉन डेरमेर शामिल हुए। इस दौरान हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ताहर नौनू ने कहा कि हमास ने एक सूची साझा की है, जिसमें उन फिलिस्तीनी कैदियों के नाम हैं जिन्हें वह इजराइली बंधकों के बदले में रिहा करना चाहता है, जैसा कि समझौते की शर्तों में कहा गया है। वहीं, एर्दोगन ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया के दौरान हम हमास के संपर्क में हैं। हम सभी पक्षों के संपर्क में हैं। हम उन्हें समझा रहे हैं कि सबसे सही तरीका कौन सा है और फिलिस्तीन के लोगों के लिए क्या सही है। अमेरिकी दौरे और ट्रंप के साथ फोन वार्ता में हमने उन्हें समझाया कि किस तरह उद्देश्य को हासिल किया जा सकता है। इसके बाद हम तत्काल इसमें जुट गए।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,